



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 146]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 6, 2019/वैशाख 16, 1941

No. 146]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 6, 2019/VAISAKHA 16, 1941

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 मई, 2019

फा. सं. 14-4/2012 (सीपीपी-II).—विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) की धारा 26 की उप-धारा (1) के खंड (छ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (शिकायत निवारण) विनियम, 2012 का अधिक्रमण करते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, नामतः—

1. संक्षिप्त नाम, विनियोग और प्रारंभ :

- (क) इन विनियमों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (छात्रों की शिकायतों का निवारण) विनियम, 2019 कहा जाएगा।
- (ख) वे ऐसे सभी उच्चतर शिक्षा संस्थानों पर लागू होंगे, जिन्हें किसी केन्द्रीय अधिनियम अथवा राज्य अधिनियम के तहत स्थापित अथवा निगमित किया गया हो, और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 2 के खंड (च) के तहत मान्यता प्राप्त सभी संस्थानों तथा ऐसे सभी सम विश्वविद्यालय संस्थानों पर लागू होंगे जिन्हें तत्संबंध की धारा 3 के तहत विश्वविद्यालय घोषित किया गया हो।
- (ग) यह विनियम, भासकीय राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. उद्देश्य:

किसी संस्थान में पहले से नामांकित छात्रों और साथ ही ऐसे संस्थानों में प्रवेश चाहने वाले छात्रों की कतिपय शिकायतों के निवारण के लिए अवसर प्रदान करना और इस संबंध में एक तंत्र स्थापित करना।

3. परिभाषा: जब तक कि इन विनियमों के संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो:

- (क) "अधिनियम" का अभिप्राय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) से है;
- (ख) "पीड़ित छात्र" से अभिप्राय किसी ऐसे छात्र से है जिसे इन विनियमों के तहत परिभाषित शिकायतों के संबंध में किसी मामले अथवा तत्संबंध किसी मामले में कोई शिकायत हो।

- (ग) "महाविद्यालय" से अभिप्राय अधिनियम की धारा 12क की उपधारा (1) के खंड (ख) में इस प्रकार से परिभाषित किसी संस्थान से है।
- (घ) "महाविद्यालयी छात्र शिकायत निवारण समिति" (सीएसजीआरसी) से अभिप्राय इन विनियमों के तहत किसी संस्थान के स्तर पर, जोकि महाविद्यालय हो, गठित किसी समिति से है।
- (ङ) "आयोग" से अभिप्राय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 4 के तहत स्थापित आयोग से है।
- (च) "घोषित प्रवेश नीति" का अभिप्राय संस्थान द्वारा पेशकश किए जा रहे किसी पाठ्यक्रम या अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश के लिए संस्थान की वितरणिका में प्रकाशित की गई किसी ऐसी नीति से है, जिसमें उसके अंतर्गत आने वाली प्रक्रियाएं भी शामिल हैं।
- (छ) "विभागीय छात्र शिकायत निवारण समिति" (डीएसजीआरसी) से अभिप्राय इन विनियमों के तहत किसी विश्वविद्यालय के किसी विभाग, विद्यालय या केंद्र के स्तर पर गठित किसी समिति से है।
- (ज) "शिकायत" का अभिप्राय, ओर इसमें निम्नवत् के संबंध में किसी पीड़ित छात्र द्वारा की गई शिकायत(तें) शामिल हैं, नामतः
- i. संस्थान की घोषित प्रवेश नीति के अनुरूप निर्धारित की गई योग्यता के विपरीत प्रवेश दिया जाना;
  - ii. संस्थान की घोषित प्रवेश नीति के तहत प्रक्रिया में अनियमितताएं;
  - iii. संस्थान की घोषित प्रवेश नीति के अनुरूप प्रवेश देने से इंकार किया जाना;
  - iv. इन विनियमों के उपबंधों के अनुरूप, संस्था द्वारा वितरणिका का प्रकाशन न किया जाना;
  - v. संस्थान द्वारा वितरणिका में ऐसी कोई जानकारी देना जोकि झूठी या भ्रामक हो, और तथ्यों पर आधारित नहीं हो;
  - vi. किसी छात्र द्वारा ऐसे संस्थान में प्रवेश लेने के प्रयोजन से जमा किए गए किसी दस्तावेज जोकि उपाधि, डिप्लोमा या किसी अन्य पुरस्कार के रूप में हो, को अपने पास रख लेना या वापस करने से इंकार करना ताकि ऐसे किसी पाठ्यक्रम या अध्ययन कार्यक्रम के संबंध में छात्र को किसी शुल्क अथवा शुल्कों, का भुगतान करने हेतु तैयार किया जा सके अथवा मजबूर किया जा सके जिसमें छात्र अध्ययन नहीं करना चाहता हो;
  - vii. संस्था की घोषित प्रवेश नीति में निर्धारित राशि से अधिक धनराशि की मांग करना;
  - viii. छात्रों की विभिन्न श्रेणियों के लिए प्रवेश में सीटों के आरक्षण के संबंध में वर्तमान में लागू किसी कानून का संस्थान द्वारा उल्लंघन किया जाए;
  - ix. ऐसे किसी संस्थान की घोषित प्रवेश नीति के तहत, अथवा आयोग द्वारा विहित किन्हीं शर्तों, यदि कोई हों तो, के तहत किसी भी छात्र हेतु ग्राह्य छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता का भुगतान नहीं किया जाना अथवा विलम्ब से भुगतान किया जाना;
  - x. संस्थान के शैक्षणिक कैलेंडर में, अथवा आयोग द्वारा विहित ऐसे किसी कैलेंडर में विनिर्दिष्ट अनुसूची से इतर परीक्षाओं के आयोजन में, अथवा परीक्षा के परिणामों की घोषणा में विलम्ब करना;
  - xi. वितरणिका में यथा उल्लिखित, अथवा संस्थान द्वारा लागू किसी कानून के किसी उपबंध के तहत यथा अपेक्षित छात्रों की सुविधा प्रदान करने में संस्थान द्वारा विफल रहना;
  - xii. छात्रों के मूल्यांकन के लिए संस्थान द्वारा अपनाई गई गैर- पारदर्शी अथवा अनुचित पद्धतियां;
  - xiii. ऐसे किसी छात्र को शुल्क के प्रतिदाय में विलंब करना, अथवा इंकार करना जोकि वितरणिका में उल्लिखित समय के भीतर, अथवा जैसा की आयोग द्वारा अधिसूचित किया जाए, के भीतर प्रवेश त्याग देता है;
  - xiv. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला, अल्पसंख्यक अथवा निशक्त श्रेणियों के छात्रों के कथित भेदभाव की शिकायत;
  - xv. प्रवेश दिए जाने के समय जैसा भरोसा दिलाया गया था अथवा प्रदान किए जाने अपेक्षित था के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान नहीं किया जाना; तथा



- xvi. छात्र के उत्पीड़न के अन्य मामले के अलावा जिन पर वर्तमान में लागू किसी कानून के दंडात्मक उपबंधों के तहत कार्रवाई की जानी हो, छात्र का उत्पीड़न किया जाना अथवा उसे फिरोना बनाया जाना।
- (अ) "संस्थान" से अभिप्राय है, जैसा कि संदर्भ हो, अधिनियम के तहत किसी विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय अथवा किसी सम विश्वविद्यालय संस्थान से है, अथवा किसी विशेष शिक्षा अथवा शिवालय हेतु किसी विश्वविद्यालय के तहत स्थापित किए गए किसी संस्थान से है।
- (आ) "संस्थागत छात्र शिकायत निवारण समिति" (आईएसजीआरसी) का अभिप्राय इन विनियमों के तहत किसी विश्वविद्यालय के स्तर पर, ऐसी शिकायतों पर कार्यवाही करने के लिए गठित की गई समिति से है जो विश्वविद्यालय के किसी भी विभाग से संबंधित नहीं हो, उदाहरण के लिए छात्रावास और सामान्य सुविधाएं।
- (ए) "लोकपाल" का अभिप्राय इन विनियमों के तहत नियुक्त लोकपाल से है;
- (इ) "विवरणिका" का अभिप्राय और इसमें ऐसा कोई भी प्रकाशन शामिल है, चाहे वह मुद्रित स्वरूप में अथवा अन्यथा हो, जिसे जनसाधारण (जिसमें ऐसे संस्थान में प्रवेश पाने के इच्छुकों सहित) को एक संस्था से संबंधित निष्पक्ष और पारदर्शी जानकारी प्रदान करने के लिए ऐसे संस्थान अथवा किसी प्राधिकरण अथवा ऐसे संस्थान द्वारा ऐसा करने के लिए प्राधिकृत किए गए किसी व्यक्ति द्वारा जारी किया गया हो।
- (ई) "क्षेत्र" का अभिप्राय एक भौगोलिक क्षेत्र, जिसमें राज्य शामिल हैं, जिन्हें इन विनियमों को लागू करने हेतु सुकर बनाने के प्रयोजनार्थ ऐसा निर्धारित किया गया हो, नामतः, दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र जिसमें ओडिशा, तेलंगाना, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार और तमिलनाडु शामिल हैं, दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में केरल, कर्नाटक और लक्षद्वीप शामिल हैं; पश्चिमी क्षेत्र में महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा, दादर और नगर हवेली, दमन और दीव शामिल हैं; मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान शामिल हैं, उत्तरी क्षेत्र में जम्मू और कश्मीर, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और चंडीगढ़ शामिल हैं, पूर्वोत्तर क्षेत्र में असम, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और नागालैंड शामिल हैं, और पूर्वी क्षेत्र में पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा शामिल हैं।
- (ई) "राज्य" का अभिप्राय संविधान की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी राज्य से है जिसमें संघ राज्य क्षेत्र भी शामिल हैं;
- (ण) "छात्र" से अभिप्राय किसी ऐसे संस्थान, जिसमें यह विनियम लागू होते हैं, में नामांकित किसी व्यक्ति, अथवा नामांकित होने के लिए प्रवेश प्राप्त के इच्छुक व्यक्ति से है;
- (त) "विश्वविद्यालय" से अभिप्राय अधिनियम की धारा 2 की खंड (घ) में यथा परिभाषित किसी विश्वविद्यालय से है, अथवा जहां संदर्भ के अनुसार, तत्संबंध की धारा 3 के तहत इस प्रकार घोषित किए जाने वाला कोई सम विश्वविद्यालय संस्थान हो।
- (थ) "विश्वविद्यालय छात्र शिकायत निवारण समिति" (यूएसजीआरसी) से अभिप्राय विश्वविद्यालय के स्तर पर डीएसजीआरसी, आईएसजीआरसी अथवा सीएसजीआरसी के निर्णय के परिणामस्वरूप उपजी शिकायतों पर कार्रवाई करने के लिए इन विनियमों के तहत गठित किसी समिति से है।

#### 4. विवरणिका का अनिवार्य प्रकाशन, इसकी विषयवस्तु तथा मूल्य निर्धारण:

- प्रत्येक संस्थान, अपने पाठ्यक्रम या अध्ययन के किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश आरंभ करने की तिथि से कम से कम साठ दिन की समाप्ति से पूर्व अपनी वेबसाइट पर एक विवरणिका प्रकाशित और/अथवा अपलोड करेगा, जिसमें इस तरह के संस्थान में प्रवेश लेने के इच्छुक व्यक्तियों और आम जनता की जानकारी के लिए निम्नवत् जानकारी अंतर्निहित होगी, नामतः:
  - प्रत्येक पाठ्यक्रम अथवा अध्ययन के कार्यक्रम के लिए शिक्षण के घंटों, व्यावहारिक सत्रों और अन्य कार्य के साथ-साथ अध्ययन के कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों की सूची सहित उपयुक्त सांविधिक प्राधिकरण अथवा संस्थान, जैसा मामला हो, द्वारा विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम की व्यापक तालिका;
  - जिस शिक्षा वर्ष हेतु प्रवेश दिए जाने का प्रस्ताव हो, उसके प्रत्येक पाठ्यक्रम अथवा अध्ययन के कार्यक्रम के संबंध में, उपयुक्त सांविधिक प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित सीटों की संख्या;
  - संस्थान द्वारा विनिर्दिष्ट किसी विशेष पाठ्यक्रम अथवा अध्ययन कार्यक्रम में छात्र के रूप में प्रवेश के लिए व्यक्तियों की न्यूनतम और अधिकतम आयु सीमा सहित शैक्षिक योग्यता और पात्रता की शर्तें;



- (घ) इस प्रकार के प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले योग्य उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया, जिसमें प्रत्येक पाठ्यक्रम अथवा अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ऐसे अभ्यर्थियों के चयन के लिए परीक्षा या इम्तहान के विवरण के संबंध में सभी संगत जानकारी और प्रवेश परीक्षा के लिए निर्धारित शुल्क की राशि शामिल है;
- (ङ) किसी पाठ्यक्रम या अध्ययन कार्यक्रम में अध्ययन करने के लिए ऐसे संस्थान में भर्ती किए गए छात्रों द्वारा देय शुल्क, जमा राशियों और अन्य प्रभारों के प्रत्येक घटक और ऐसे भुगतानों की अन्य निबंधन और शर्तें;
- (च) शारित लगाए जाने और संग्रहण किए जाने हेतु नियम/विनियम, विनिर्दिष्ट शीर्ष अथवा श्रेणियां, लगाए जाने वाली शारित की न्यूनतम और अधिकतम राशि;
- (छ) ऐसे संस्थानों में दाखिला लेने वाले छात्रों द्वारा यदि पाठ्यक्रम या अध्ययन कार्यक्रम के पूरा होने से पहले अथवा के बाद दाखिला छोड़ दिया जाता है तो छात्रों को प्रतिदाय किए जाने वाले शिक्षण शुल्क और अन्य प्रभारों का प्रतिशत, तथा समय सीमा जिसके भीतर तथा पद्धति जिससे छात्रों को ऐसा प्रतिदाय किया जाएगा;
- (ज) उनकी शैक्षिक योग्यता शिक्षण संकाय का विवरण, उनकी नियुक्ति का स्वरूप (नियमित/अभ्यागत/अतिथि) और उसके प्रत्येक सदस्य के शिक्षण अनुभव के साथ;
- (झ) भौतिक और शैक्षणिक बुनियादी ढांचे और छात्रावास और इसके शुल्क, पुस्तकालय, अस्पताल अथवा उद्योग, जहां छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाना हो, सहित अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी और विशेषरूप से छात्रों द्वारा संस्थान में प्रवेश प्राप्त करने पर प्राप्त होने वाली सुविधाओं का ब्योरा अंतर्विष्ट हो;
- (ञ) संस्थान के परिसर के भीतर अथवा बाहर छात्रों द्वारा अनुशासन बनाए रखने के संबंध में सभी संगत निदेश, और, विशेषरूप से किसी छात्र अथवा छात्रों की रैगिंग निषिद्ध करने संबंधी ऐसे अनुशासन को बनाए रखने और उनका उल्लंघन किए जाने के परिणामों और संगत सांविधिक विनियामक प्राधिकरण द्वारा इस संबंध में तैयार किए गए किसी विनियम के उपबंधों का उल्लंघन किए जाने के परिणामों का ब्योरा अंतर्विष्ट होगा; तथा
- (ट) आयोग द्वारा यथा विनिर्दिष्ट कोई अन्य जानकारी।

बशर्ते कि, प्रत्येक संस्थान इस विनियम के खंड (क) से (ट) में उल्लिखित जानकारी को अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित/अपलोड करेगा, और विभिन्न समाचारपत्रों और अन्य मीडिया के माध्यम से प्रमुखता से प्रदर्शित करते हुए विज्ञापनों के माध्यम से इच्छुक छात्रों और आम जनता का ध्यान वेबसाइट पर इस तरह के प्रकाशन की ओर दिलाया जाएगा।

2. प्रत्येक संस्थान अपनी विवरणिका की प्रत्येक मुद्रित प्रति का मूल्य निर्धारित करेगा, जोकि विवरणिका के प्रकाशन और वितरण की उचित लागत से अधिक नहीं होगी और विवरणिका के प्रकाशन, वितरण या विक्री से कोई लाभ अर्जित नहीं किया जाएगा।

#### 5. छात्र शिकायत निवारण समितियां (एसजीआरसी):

##### क. महाविद्यालयी छात्र शिकायत निवारण समिति (सीएसजीआरसी)

- (i) किसी भी पीड़ित छात्र की महाविद्यालय से संबंधित किसी भी शिकायत को निम्नलिखित संरचना वाली महाविद्यालयी छात्र शिकायत निवारण समिति (सीएसजीआरसी) को भेजा जाएगा:
- (क) महाविद्यालय का प्राचार्य—सभापति;
- (ख) प्राचार्य द्वारा शिक्षण संकाय से तीन वरिष्ठ सदस्यगणों को नामनिर्दिष्ट किया जाएगा—सदस्यगण;
- (ग) महाविद्यालय के छात्रों में से एक प्रतिनिधि, जिसे प्राचार्य द्वारा शैक्षणिक योग्यता/खेलकूद में उत्कृष्टता/सह-पाठ्य क्रियाकलापों में उसके निष्पादन के आधार पर नामनिर्दिष्ट किया जाएगा—विशेष आमंत्रित।
- (ii) सदस्यगणों तथा विशेष आमंत्रित का कार्यकाल दो वर्षों का होगा।
- (iii) बैठक के लिए गणपूर्ति, सभापति सहित परंतु विशेष आमंत्रित के अलावा, तीन सदस्यगणों की होगी।
- (iv) शिकायतों पर विचार करते हुए सीएसजीआरसी नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करेगी।



- (v) सीएसजीआरसी रिपोर्ट को अपनी सिफारिशों, यदि कोई हो तो, के साथ संबद्ध करने वाले विश्वविद्यालय के कुलपति को शिकायत प्राप्त की तिथि से 15 दिनों की अवधि के भीतर भेजेगा तथा इसकी एक प्रति पीड़ित छात्र को भी भेजी जाएगी।

### ख. विभागीय छात्र शिकायत निवारण समिति (डीएसजीआरसी)

- (i) किसी भी पीड़ित छात्र की विश्वविद्यालय के किसी भी विभाग, अथवा विद्यालय, अथवा केन्द्र से संबंधित किसी भी शिकायत को विभाग, विद्यालय अथवा केन्द्र, जैसा भी मामला हो, द्वारा गठित की जाने और निम्नलिखित संरचना वाली विभागीय छात्र शिकायत निवारण समिति (डीएसजीआरसी) को भेजा जाएगा, नामतः:
- (क) विभाग, विद्यालय, अथवा केन्द्र का अध्यक्ष, चाहे उसे किसी भी पदनाम से जाना जाए— सभापति;
- (ख) विभाग/विद्यालय/केन्द्र के बाहर से कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाने वाले दो आचार्य— सदस्य;
- (ग) संकाय का सदस्य, जो शिकायत निवारण की प्रणाली से भली-भांति परिचित हो, को सभापति द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा— सदस्य;
- (घ) महाविद्यालय के छात्रों में से एक प्रतिनिधि, जिसे कुलपति द्वारा शैक्षणिक योग्यता/खेलकूद में उत्कृष्टता/सह-पाठ्य क्रियाकलापों में उसके निष्पादन के आधार पर नामनिर्दिष्ट किया जाएगा— विशेष आमंत्रित
- (ii) सभापति, समिति के सदस्यों और विशेष आमंत्रित का कार्यकाल दो वर्षों का होगा।
- (iii) डीएसजीआरसी की बैठक के लिए गणपूर्ति, सभापति सहित परंतु विशेष आमंत्रित के अलावा, तीन सदस्यगणों की होगी।
- (iv) अपने समक्ष प्रस्तुत शिकायतों पर विचार करते हुए डीएसजीआरसी नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करेगी।
- (v) डीएसजीआरसी अपनी रिपोर्ट को सिफारिशों, यदि कोई हों तो, के साथ संस्थान के मुखिया/ कुलपति को शिकायत प्राप्त की तिथि से 15 दिनों की अवधि के भीतर भेजेगा तथा इसकी एक प्रति पीड़ित छात्र को भी भेजी जाएगी।

### ग. संस्थागत छात्र शिकायत निवारण समिति (आईएसजीआरसी)

- (i) जब शिकायत किसी विश्वविद्यालय के किसी शैक्षणिक विभाग, विद्यालय अथवा केन्द्र, जैसा भी मामला हो, से संबद्ध नहीं हो तो मामले को कुलपति महोदय द्वारा निम्नवत संरचना के साथ गठित की जाने वाली एक संस्थागत छात्र शिकायत निवारण समिति (आईएसजीआरसी) को भेजा जाएगा; नामतः:
- (क) संस्थान का सम-कुलपति/संकाय अध्यक्ष/वरिष्ठ आचार्य— सभापति;
- (ख) छात्र संकाय अध्यक्ष/संकाय अध्यक्ष, छात्र कल्याण— सदस्य;
- (ग) सभापति के अलावा एक वरिष्ठ शिक्षाविद्— सदस्य;
- (घ) कुलानुशासक/वरिष्ठ शिक्षाविद्— सदस्य
- (ङ) महाविद्यालय के छात्रों में से एक प्रतिनिधि, जिसे कुलपति द्वारा शैक्षणिक योग्यता/खेलकूद में उत्कृष्टता/सह-पाठ्य क्रियाकलापों में उसके निष्पादन के आधार पर नामनिर्दिष्ट किया जाएगा— विशेष आमंत्रित।
- (ii) समिति के सदस्यों का कार्यकाल दो वर्षों का होगा।
- (iii) आईएसजीआरसी की बैठक के लिए गणपूर्ति, सभापति सहित परंतु विशेष आमंत्रित के अलावा, तीन सदस्यगणों की होगी।
- (iv) अपने समक्ष प्रस्तुत शिकायतों पर विचार करते हुए आईएसजीआरसी नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करेगी।
- (v) आईएसजीआरसी अपनी रिपोर्ट को सिफारिशों, यदि कोई हों तो, के साथ कुलपति को शिकायत प्राप्त की तिथि से 15 दिनों की अवधि के भीतर भेजेगा तथा इसकी एक प्रति पीड़ित छात्र को भी भेजी जाएगी।

### घ. विश्वविद्यालय छात्र शिकायत निवारण समिति (यूएसजीआरसी)

- (i) एक संबद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति, उतनी संख्या में विश्वविद्यालय छात्र शिकायत निवारण समितियों (यूएसजीआरसी) का गठन करेंगे, जैसा कि एक या एक से अधिक सीएसजीआरसी या डीएसजीआरसी या आईएसजीआरसी द्वारा अनुसुलझी शिकायतों पर विचार करने के लिए आवश्यक हो और प्रत्येक यूएसजीआरसी, महाविद्यालयों/विभागों/संस्थानों से उत्पन्न होने वाली शिकायतों पर, कुलपति द्वारा उसे प्रदत्त किए गए क्षेत्राधिकार क्षेत्र के आधार पर कार्यवाही कर सकता है।
- क) विश्वविद्यालय का एक वरिष्ठ आचार्य— सभापति;
- ख) संकाय अध्यक्ष, छात्र कल्याण अथवा समकक्ष – सदस्य;
- ग) संबद्ध महाविद्यालयों से लिए गए दो प्राचार्य, जो कि समीक्षाधीन सीएसजीआरसी की रिपोर्टों से न जुड़े हों, कुलपति द्वारा नामित किए जाने वाले हैं— सदस्य;
- घ) विश्वविद्यालय का एक आचार्य – सदस्य;
- ङ) महाविद्यालय के छात्रों में से एक प्रतिनिधि, जिसे कुलपति द्वारा शैक्षणिक योग्यता/खेलकूद में उत्कृष्टता/सह-पाठ्य क्रियाकलापों में उसके निष्पादन के आधार पर नामनिर्दिष्ट किया जाएगा— विशेष आमंत्रित।
- (ii) सभापति तथा समिति के सदस्यों और विशेष आमंत्रित का कार्यकाल दो वर्षों का होगा।
- (iii) बैठक के लिए गणपूर्ति, सभापति सहित परंतु विशेष आमंत्रित के अलावा, तीन सदस्यगणों की होगी।
- (iv) अपने समक्ष शिकायतों पर विचार करते हुए यूएसजीआरसी नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करेगी।
- (v) यूएसजीआरसी अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें, यदि कोई हों तो, के साथ शिकायत से संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य/विभागाध्यक्ष/विद्यालय/संस्थान को शिकायत प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों की अवधि के भीतर भेजेगी तथा इसकी एक प्रति पीड़ित छात्र को भी भेजी जाएगी।
- (vi) विश्वविद्यालय छात्र शिकायत निवारण समिति के निर्णय से व्यथित कोई भी छात्र, इस तरह के निर्णय की प्राप्ति की तिथि से पंद्रह दिनों की अवधि के भीतर, लोकपाल के समक्ष अपील कर सकता है।

### 6. लोकपाल की नियुक्ति, सेवाकाल, उसे पद से हटाया जाना और सेवा की शर्तें:

- (i) यूएसजीआरसी के निर्णयों के विरुद्ध सुनवाई करने और निर्णय देने और अपील करने के लिए एक या एक से अधिक अंशकालिक पदाधिकारियों को लोकपाल के रूप में नामित किया जाएगा;
- बशर्ते कि, उस राज्य में स्थित सभी राज्य विश्वविद्यालयों (सार्वजनिक के साथ— साथ निजी विश्वविद्यालयों) के संबंध में एक राज्य के लिए एक से अधिक लोकपाल नहीं होंगे, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा;
- बशर्ते आगे कि, एक क्षेत्र में स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालयों और सम विश्वविद्यालय संस्थानों के लिए एक से अधिक लोकपाल नहीं होंगे, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा।
- (ii) लोकपाल, शिक्षा अथवा अनुसंधान के क्षेत्र में प्रख्यात व्यक्ति होंगे, जो किसी विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके हों।
- (iii) किसी राज्य में राज्य विश्वविद्यालयों के लिए लोकपाल, उस राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय के साथ हितों के टकराव में नहीं होगा; और उस क्षेत्र में स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालयों और सम विश्वविद्यालयों हेतु लोकपाल, इस तरह की नियुक्ति से पहले अथवा उसके पश्चात्, उस क्षेत्र में स्थित विश्वविद्यालय अथवा सम विश्वविद्यालय संस्थान के साथ किसी भी तरह के हितों के टकराव में नहीं होंगे।
- (iv) एक राज्य सरकार इस प्रयोजनार्थ गठित एक खोज समिति द्वारा सुझाए गए तीन नामों के पैनल में से लोकपाल की नियुक्ति करेगी, जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे, नामतः
- (क) राज्यपाल या उपराज्यपाल का एक नामित, जैसा भी मामला हो, जो उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्ति हो— सभापति;
- (ख) राज्य के राज्यपाल/संघ भासित राज्य के उपराज्यपाल द्वारा नामित किया जाने वाला राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालय का कुलपति— सदस्य;



- (ग) राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाने वाला एक राज्य निजी विश्वविद्यालय का कुलपति- सदस्य;
- (घ) राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद् का अध्यक्ष अथवा परिषद् के शैक्षणिक सदस्यों में से उनका नामिति- सदस्य;
- (ङ) उच्चतर शिक्षा के लिए उत्तरदायी राज्य सरकार के प्रधान सचिव/सचिव- सदस्य सचिव;
- (v) केंद्र सरकार इस प्रयोजनार्थ गठित एक खोज समिति द्वारा सुझाए गए तीन नामों के पैनल में से लोकपाल की नियुक्ति करेगी, जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे, नामतः
- (क) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष महोदय अथवा उनके नामिति- सभापति;
- (ख) किसी केन्द्रीय विश्वविद्यालय का कुलपति जिसे केंद्र सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा- सदस्य;
- (ग) किसी सम विश्वविद्यालय संस्थान का कुलपति जिसे केंद्र सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाए- सदस्य;
- (घ) केंद्र सरकार का नामिति जोकि संयुक्त सचिव के पद से नीचे न हो- सदस्य;
- (ङ) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव महोदय- सदस्य सचिव;
- (vi) लोकपाल को पद ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि अथवा सत्तर वर्ष की आयु होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, के लिए नियुक्त किया जाएगा, और वह समान राज्य या क्षेत्र के लिए, जैसा कि मामला हो, एक और कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्ति होने के लिए पात्र होगा।
- (vii) सुनवाई का संचालन करने के लिए, लोकपाल को, यात्रा पर हुए किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति सहित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित किए गए मानदंडों के अनुसार, प्रति दिन, प्रति बैठक के आधार पर शुल्क का भुगतान किया जाएगा।
- (viii) राज्य के लोकपाल के मामले में राज्य सरकार द्वारा और किसी क्षेत्र के लोकपाल के मामले में केंद्र सरकार द्वारा लोकपाल को इन विनियमों के तहत यथा परिभाषित कदाचार या दुर्व्यवहार के आरोप सिद्ध होने पर पद से हटाया जा सकता है।
- (ix) कम से कम उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर आसीन न्यायमूर्ति द्वारा की गई जांच के अलावा लोकपाल को पदच्युत करने हेतु कोई आदेश जारी नहीं किया जाएगा, और इस प्रकार की गई जांच में लोकपाल को सुनवाई का एक उचित अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

#### 7. लोकपाल के कार्यकरण :

- (i) लोकपाल, छात्र द्वारा इन विनियमों के तहत उपबंधित सभी विकल्पों को अपनाने के पश्चात् ही पीडित छात्र की अपील की सुनवाई करेंगे।
- (ii) यद्यपि, परीक्षा के संचालन में अथवा मूल्यांकन की प्रक्रिया में गड़बड़ी के मुद्दों को लोकपाल के संदर्भित किया जा सकता है, तथापि, लोकपाल द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन अथवा अंकों को पुनः योग करने हेतु कोई अपील अथवा आवेदन पर लोकपाल द्वारा सुनवाई नहीं की जाएगी, जब तक कि भेदभाव की किसी विशिष्ट घटना के परिणामों को प्रभावित करने वाली किसी विशिष्ट अनियमितता को इंगित नहीं किया जाता है।
- (iii) लोकपाल, कथित रूप से किए गए भेदभाव की शिकायतों की सुनवाई करने के लिए, न्याय- मित्र के रूप में किसी भी व्यक्ति की सहायता प्राप्त कर सकता है।
- (iv) लोकपाल पीडित छात्र(त्रों) से अपील प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर शिकायतों का समाधान के लिए सनी प्रयास करेगा।

#### 8. लोकपाल तथा छात्र शिकायत निवारण समितियों द्वारा शिकायतों के निवारण हेतु प्रक्रिया:

- (i) प्रत्येक संस्थान, इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से तीन माह की अवधि के भीतर एक ऑनलाइन पोर्टल तैयार करेगा, जहां कोई भी पीडित छात्र अपनी शिकायत के निवारण के लिए आवेदन कर सकता है।
- (ii) ऑनलाइन शिकायत प्राप्त होने पर संस्थान, ऑनलाइन शिकायत की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियों सहित शिकायत को उपर्युक्त छात्र शिकायत निवारण समिति को भेजेगा।

- (iii) छात्र शिकायत निवारण समिति, जैसा भी मामला हो, शिकायत की सुनवाई के लिए एक तिथि निर्धारित करेगी जिसकी जानकारी संस्थान और पीड़ित छात्र को दी जाएगी।
- (iv) पीड़ित छात्र या तो व्यक्तिगत रूप से पेश हो सकता है अथवा अपना पक्ष रखने के लिए अपने किसी प्रतिनिधि को अधिकृत कर सकता है।
- (v) विश्वविद्यालय छात्र शिकायत निवारण समिति द्वारा समाधान नहीं की गई शिकायतों, को इन विनियमों में उपबंधित समयावधि के भीतर लोकपाल को भेजा जाएगा।
- (vi) संस्थान, शिकायतों के शीघ्र निपटान हेतु, लोकपाल अथवा छात्र शिकायत निवारण समिति(यों), जैसा भी मामला हो, सहयोग करेंगे; और ऐसा नहीं किए जाने पर लोकपाल द्वारा आयोग को जानकारी दी जा सकती है जो इन विनियमों के उपबंधों के अनुरूप कार्रवाई करेगा।
- (vii) लोकपाल, दोनों पक्षों को सुने जाने का एक उचित अवसर प्रदान करने के बाद, कार्यवाहियां समाप्त होने पर तत्संबंधी कारणों सहित, इस प्रकार का आदेश पारित करेगा, जैसा वह उपयुक्त समझे, ताकि शिकायत का समाधान हो सके और पीड़ित छात्र को जैसा उपयुक्त हो, राहत प्रदान की जा सके।
- (viii) संस्थान के साथ ही साथ पीड़ित छात्र को लोकपाल के हस्ताक्षर के तहत जारी की गई आदेश की प्रतियां उपलब्ध कराई जाएंगी और संस्थान, आदेश की प्रति को सामान्य जानकारी के लिए इसे अपनी वेबसाइट पर भी डालेगा।
- (ix) संस्थान, लोकपाल की सिफारिशों का अनुपालन करेगा और संस्थान द्वारा सिफारिशों का अनुपालन नहीं किए जाने के संबंध में लोकपाल, आयोग को जानकारी प्रदान करेगा।
- (x) जहां शिकायत झूठी या तुच्छ पाई जाती है उस स्थिति में लोकपाल शिकायतकर्ता के विरुद्ध उपयुक्त कार्रवाई किए जाने की सिफारिश कर सकता है।

#### 9. लोकपाल और छात्र शिकायत निवारण समितियों के संबंध में जानकारी:

संस्थान अपनी वेबसाइट और अपनी विवरणिका में स्पष्टरूप से इसके क्षेत्राधिकार में आने वाली छात्र शिकायत निवारण समिति(यों) तथा अपील किए जाने के प्रयोजनार्थ लोकपाल के संबंध में सभी संगत जानकारियां उपलब्ध कराएगा।

#### 10. अनुपालन नहीं किए जाने के परिणाम:

आयोग, किसी भी संस्थान के संबंध में, जो जानबूझकर इन विनियमों का उल्लंघन करते हैं अथवा बार-बार लोकपाल अथवा शिकायत निवारण समिति(यों), जैसा भी मामला हो, की सिफारिशों को अनुपालन नहीं करते हैं, उनके विरुद्ध निम्नवत् एक अथवा एक से अधिक कार्यवाहियां कर सकते हैं, नामतः:

- (क) अधिनियम की धारा 12ख के तहत अनुदान प्राप्त करने के लिए उपयुक्तता की घोषणा को वापस लेना;
- (ख) संस्थान को आवंटित किसी भी अनुदान को रोका जा सकता है;
- (ग) आयोग के किसी भी सामान्य अथवा विशेष सहायता कार्यक्रम के तहत किसी भी सहायता को प्राप्त करने हेतु विचार किए जाने के लिए संस्थान को अयोग्य घोषित करना;
- (घ) उपयुक्त मीडिया में प्रमुखता से प्रदर्शित कर और आयोग की वेबसाइट पर पोस्ट कर संभावित अभ्यर्थियों सहित जनसाधारण को सूचित करना, तथा इस बाबत घोषणा करना की संस्थान में शिकायतों के निवारण के लिए न्यूनतम मानक मौजूद नहीं हैं;
- (ङ) महाविद्यालय के मामले में, संबद्धता को वापस लेने के लिए संबद्ध विश्वविद्यालय को सिफारिश करना;
- (च) सम विश्वविद्यालय संस्थान के मामले में इस प्रकार की कार्रवाई करना, जो आवश्यक, उपयुक्त और सटीक प्रतीत हो;
- (छ) सम विश्वविद्यालय संस्थान के मामले में सम विश्वविद्यालय संस्थान के रूप में घोषणा को वापस लिया जाने के लिए, यदि आवश्यक हो तो, केंद्र सरकार को सिफारिश करना;
- (ज) राज्य अधिनियम के तहत स्थापित अथवा निगमित विश्वविद्यालय के मामले में राज्य सरकार को आवश्यक और उचित कार्रवाई करने की सिफारिश करना;
- (झ) गैर-अनुपालन के लिए संस्थान के विरुद्ध ऐसी अन्य कार्रवाई करना जो आवश्यक और उचित समझी जाए।



बशर्ते कि इस विनियमों के तहत आयोग द्वारा कोई कार्यवाई नहीं की जाएगी, जब तक कि संस्थान को अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए अवसर नहीं दिया गया हो और उसे सुने जाने का अवसर प्रदान नहीं किया गया हो।

11. इन विनियमों में उल्लिखित कोई भी शर्त, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (शिकायत निवारण) विनियम, 2012 के उपबंधों के तहत नियुक्त किसी पदधारी लोकपाल के कार्यकाल की अवधि के दौरान उसके पद पर बने रहने को प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं करेगी; कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात् लोकपाल, की नियुक्ति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (छात्रों की शिकायतों का निवारण) संबंधी विनियम, 2019 के अनुरूप की जाएगी।

प्रो. रजनीश जैन, सचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./30/19]

## UNIVERSITY GRANTS COMMISSION

### NOTIFICATION

New Delhi, the 6th May, 2019

**F.No. 14-4/2012(CPP-II).**—In exercise of the powers conferred under clause (g) of sub-section (1) of Section 26 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), and in supersession of the University Grants Commission (Grievance Redressal) Regulations, 2012, the University Grants Commission hereby makes the following regulations, namely -

#### 1. SHORT TITLE, APPLICATION AND COMMENCEMENT:

- These regulations shall be called as the University Grants Commission (Redress of Grievances of Students) Regulations, 2019.
- They shall apply to all higher education institutions, whether established or incorporated by or under a Central Act or a State Act, and every institution recognized by the University Grants Commission under clause (f) of Section 2 of the University Grants Commission Act, 1956 and to all institutions deemed to be a University declared as such under Section 3 therein.
- They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

#### 2. OBJECTIVE:

To provide opportunities for redress of certain grievances of students already enrolled in any institution, as well as those seeking admission to such institutions, and a mechanism thereto.

#### 3. DEFINITION: IN THESE REGULATIONS, UNLESS THE CONTEXT OTHERWISE REQUIRES:

- "Act" means the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956);
- "aggrieved student" means a student, who has any complaint in the matters relating to or connected with the grievances defined under these regulations.
- "college" means any institution, so defined in clause (b) of sub-section (1) of section 12A of the Act.
- "Collegiate Student Grievance Redressal Committee" (CSGRC) means a committee constituted under these regulations, at the level of an institution, being a college.
- "Commission" means the University Grants Commission established under section 4 of the UGC Act, 1956.
- "declared admission policy" means such policy, including the process there under, for admission to a course or program of study as may be offered by the institution by publication in the prospectus of the institution.
- "Departmental Student Grievance Redressal Committee" (DSGRC) means a committee constituted under these regulations, at the level of a Department, School or Centre of a University.
- "grievance" means, and includes, complaint(s) made by an aggrieved student in respect of the following, namely:

- i. admission contrary to merit determined in accordance with the declared admission policy of the institution;
  - ii. irregularity in the process under the declared admission policy of the institution;
  - iii. refusal to admit in accordance with the declared admission policy of the institution;
  - iv. non-publication of prospectus by the institution, in accordance with the provisions of these regulations;
  - v. publication by the institution of any information in the prospectus, which is false or misleading, and not based on facts;
  - vi. withholding of, or refusal to return, any document in the form of certificates of degree, diploma or any other award or other document deposited by a student for the purpose of seeking admission in such institution, with a view to induce or compel such student to pay any fee or fees in respect of any course or program of study which such student does not intend to pursue;
  - vii. demand of money in excess of that specified to be charged in the declared admission policy of the institution;
  - viii. violation, by the institution, of any law for the time being in force in regard to reservation of seats in admission to different category of students;
  - ix. nonpayment or delay in payment of scholarships or financial aid admissible to any student under the declared admission policy of such institution, or under the conditions, if any, prescribed by the Commission;
  - x. delay by the institution in the conduct of examinations, or declaration of results, beyond the schedule specified in the academic calendar of the institution, or in such calendar prescribed by the Commission;
  - xi. failure by the institution to provide student amenities as set out in the prospectus, or is required to be extended by the institution under any provisions of law for the time being in force;
  - xii. non-transparent or unfair practices adopted by the institution for the evaluation of students;
  - xiii. delay in, or denial of, the refund of fees due to a student who withdraws admission within the time mentioned in the prospectus, or as may be notified by the Commission;
  - xiv. complaints of alleged discrimination of students from the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Other Backward Classes, Women, Minority or persons with disabilities categories;
  - xv. denial of quality education as promised at the time of admission or required to be provided; and
  - xvi. harassment or victimization of a student, other than cases of harassment, which are to be proceeded against under the penal provisions of any law for the time being in force.
- (i) "Institution" means, as the context may be, a University or a college, or an institution declared a deemed to be a University under the Act or an institution established within a University for a particular discipline or activity;
  - (j) "Institutional Student Grievance Redressal Committee" (ISGRC) means a committee constituted under these regulations at the level of the University, for dealing with grievances which do not belong to a department of the University e.g. hostels and common facilities.
  - (k) "Ombudsperson" means the Ombudsperson appointed under these regulations;
  - (l) "Prospectus" means and includes any publication, whether in print or otherwise, issued for providing fair and transparent information, relating to an institution, to the general public (including to those seeking admission in such institution) by such institution or any authority or person authorized by such institution to do so;



- (m) "Region" means a geographical territory, comprising of States, so determined, for the purpose of facilitating enforcement of these regulations; namely, South-Eastern Region comprising Andhra Pradesh, Telengana, Puducherry, Andaman and Nicobar, and Tamil Nadu; South-Western Region comprising Kerala, Karnataka, and Lakshadweep; Western Region comprising Maharashtra, Gujarat, Goa, Dadar and Nagar Haveli, Daman and Diu; Central Region comprising Chhattisgarh, Madhya Pradesh and Rajasthan; Northern Region comprising Jammu and Kashmir, Delhi, Himachal Pradesh, Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Uttarakhand and Chandigarh; North-Eastern Region comprising Assam, Meghalaya, Mizoram, Manipur, Tripura, Arunachal Pradesh, Sikkim and Nagaland; and Eastern Region comprising West Bengal, Bihar, Jharkhand and Odisha.
- (n) "State" means a State specified in the First Schedule to the Constitution and includes a Union territory;
- (o) "Student" means a person enrolled, or seeking admission to be enrolled, in any institution to which these regulations apply;
- (p) "University" means a University so defined in clause (f) of section 2 of the Act or, where the context may be, an institution deemed to be University declared as such under Section 3 thereof.
- (q) University Student Grievance Redressal Committee" (USGRC) means a committee constituted under these regulations, at the level of the university, for dealing with grievances arising out of decisions of the DSGRC, ISGRC or CSGRC.

#### 4. MANDATORY PUBLICATION OF PROSPECTUS, ITS CONTENTS AND PRICING:

- (1) Every institution, shall publish and/or upload on its website, before expiry of at least sixty days prior to the date of the commencement of the admission to any of its courses or programs of study, a prospectus containing the following for the information of persons intending to seek admission to such institution and the general public, namely:
- the list of programs of study and courses offered along with the broad outlines of the syllabus specified by the appropriate statutory authority or by the institution, as the case may be, for every course or program of study, including teaching hours, practical sessions and other assignments;
  - the number of seats approved by the appropriate statutory authority in respect of each course or program of study for the academic year for which admission is proposed to be made;
  - the conditions of educational qualifications and eligibility including the minimum and maximum age limit of persons for admission as a student in a particular course or program of study, specified by the institution;
  - the process of selection of eligible candidates applying for such admission, including all relevant information in regard to the details of test or examination for selecting such candidates for admission to each course or program of study and the amount of fee prescribed for the admission test;
  - each component of the fee, deposits and other charges payable by the students admitted to such institution for pursuing a course or program of study, and the other terms and conditions of such payment;
  - rules/regulations for imposition and collection of any fines in specified heads or categories, minimum and maximum fine may be imposed.
  - the percentage of tuition fee and other charges refundable to a student admitted in such institution in case such student withdraws from such institution before or after completion of course or program of study and the time within and the manner in which such refund shall be made to that student;
  - details of the teaching faculty, including their educational qualifications, along with their type of appointment (Regular/visiting/guest) and teaching experience of every member thereof.
  - information with regard to physical and academic infrastructure and other facilities including hostel accommodation and its fee, library, hospital or industry wherein the practical training is

to be imparted to the students and in particular the amenities accessible by students on being admitted to the institution;

- (j) all relevant instructions in regard to maintaining the discipline by students within or outside the campus of the institution, and, in particular such discipline relating to the prohibition of ragging of any student or students and the consequences thereof and for violating the provisions of any regulation in this behalf made by the relevant statutory regulatory authority; and

- (k) Any other information as may be specified by the Commission:

Provided that an institution shall publish/upload information referred to in clauses (a) to (k) of this regulation, on its website, and the attention of prospective students and the general public shall be drawn to such publication being on the website through advertisements displayed prominently in different newspapers and through other media:

- (2) Every institution shall fix the price of each printed copy of the prospectus, being not more than the reasonable cost of its publication and distribution and no profit be made out of the publication, distribution or sale of prospectus.

### **STUDENT GRIEVANCE REDRESSAL COMMITTEES (SGRC):**

#### **A. Collegiate Student Grievance Redressal Committee (CSGRC)**

- (i) A complaint from an aggrieved student relating to a college shall be addressed to the Collegiate Student Grievance Redressal Committee (CSGRC), with the following composition, namely:
- a) Principal of the college – Chairperson;
  - b) Three senior members of the teaching faculty to be nominated by the Principal – Members;
  - c) A representative from among students of the college to be nominated by the Principal based on academic merit/excellence in sports/performance in co-curricular activities – Special Invitee.
- (ii) The term of the members and the special invitee shall be two years.
- (iii) The quorum for the meeting including the Chairperson, but excluding the special invitee, shall be three.
- (iv) In considering the grievances before it, the CSGRC shall follow principles of natural justice.
- (v) The CSGRC shall send its report with recommendations, if any, to the Vice-Chancellor of the affiliating University and a copy thereof to the aggrieved student, within a period of 15 days from the date of receipt of the complaint.

#### **B. Departmental Student Grievance Redressal Committee (DSGRC)**

- (i) A complaint by an aggrieved student relating to a Department, or School, or Centre of a University shall be addressed to the Departmental Student Grievance Redressal Committee (DSGRC) to be constituted at the level of the Department, School, or Centre, as the case may be, and with the following composition, namely:
- a) Head of the Department, School, or the Centre, by whatever designation known – Chairperson;
  - b) Two Professors, from outside the Department/School/Centre to be nominated by the Vice Chancellor– Members;
  - c) A member of the faculty, well-versed with the mechanism of grievance redressal to be nominated by the Chairperson– Member;
  - d) A representative from among students of the college to be nominated by the Vice Chancellor based on academic merit/excellence in sports/performance in co-curricular activities – Special Invitee.



- (ii) The term of the Chairperson, members of the Committee, and the special invitee shall be of two years.
- (iii) The quorum for the meeting of DSGRC, including the Chairperson, but excluding the special invitee, shall be three.
- (iv) In considering the grievances before it, the DSGRC shall follow principles of natural justice.
- (v) The DSGRC shall submit its report with recommendations, if any, to the Head of the Institution/ Vice Chancellor, with a copy thereof to the aggrieved student, within a period of 15 days from the date of receipt of the complaint.

**C. Institutional Student Grievance Redressal Committee (ISGRC)**

- (i) Where a complaint does not relate to any academic Department, School or Centre of a University, as the case may be, the matter shall be referred to the Institutional Student Grievance Redressal Committee (ISGRC) to be constituted by the Vice Chancellor, with the following composition, namely:
  - (a) Pro-Vice Chancellor/Dean/Senior Professor of institution – Chairperson;
  - (b) Dean of students/Dean, Students Welfare – Member;
  - (c) One senior academic, other than the Chairperson – Member;
  - (d) Proctor/Senior academic – Member;
  - (e) A representative from among students of the college to be nominated by the Vice Chancellor based on academic merit/excellence in sports/performance in co-curricular activities – Special Invitee.
- (ii) The term of the members of the committee shall be of two years.
- (iii) The quorum for the meetings of the ISGRC, including the Chairperson, but excluding the special invitee, shall be three.
- (iv) In considering the grievances before it, the ISGRC shall follow principles of natural justice.
- (v) The ISGRC shall send its report with recommendations, if any, to the Vice Chancellor, along with a copy thereof to the aggrieved student, within a period of 15 working days from the date of receipt of the grievance.

**D. University Student Grievance Redressal Committee (USGRC)**

- (i) The Vice Chancellor of an affiliating University shall constitute such number of University Student Grievance Redressal Committees (USGRC), as may be required to consider grievances unresolved by one or more CSGRC or DSGRC or ISGRC and each USGRC may take up grievances arising from colleges/departments/ Institutions, on the basis of the jurisdiction assigned to it by the Vice Chancellor.
  - a) A senior Professor of the University – Chairperson;
  - b) Dean, Student Welfare or equivalent – Member;
  - c) Two Principals drawn from the affiliating colleges, other than those connected with reports of CSGRC under review, to be nominated by the Vice-Chancellor – Members;
  - d) One Professor of the University - Member;
  - e) A representative from among students of the college to be nominated by the Vice Chancellor based on academic merit/excellence in sports/performance in co-curricular activities – Special Invitee.
- (ii) The Chairperson, members and the special invitee shall have a term of two years.
- (iii) The quorum for the meeting, including the Chairperson, but excluding the special invitee, shall be three.

- (iv) In considering the grievances before it, the USGRC shall follow principles of natural justice.
- (v) The USGRC shall send its report and recommendations, if any, to the Principal of the College relating to the grievance/Head of the department/School/Institution with a copy thereof to the aggrieved student, within 15 days of the receipt of the grievance.
- (vi) Any student aggrieved by the decision of the University Student Grievance Redressal Committee may prefer an appeal to the Ombudsperson, within a period of fifteen days from the date of receipt of such decision.

**6. APPOINTMENT, TENURE, REMOVAL AND CONDITIONS OF SERVICES OF OMBUDSPERSON:**

- (i) There shall be one or more part-time functionaries designated as Ombudspersons to hear, and decide on, appeals preferred against the decisions of the USGRCs.

Provided that, there shall not be more than one ombudsperson for a State, in respect of all the State universities (Public as well as Private) in that State, who shall be appointed by the State Government;

Provided further that, there shall not be more than one Ombudsperson for a region, in respect of the Central universities and institutions deemed to be universities in that region, who shall be appointed by the Central Government.

- (ii) The Ombudsperson shall be a person of eminence in academics or research, who had been Vice-Chancellor of a University.
- (iii) The Ombudsperson for the State universities in a State, shall not be in any conflict of interest with any University in that State; and the Ombudsperson for the Central universities and institutions deemed to be universities in a region, shall not be in any conflict of interest with any University or institution deemed to be University in that region, either before or after such appointment.
- (iv) A State Government shall appoint the Ombudsperson from a panel of three names recommended by a search committee constituted for that purpose and consisting of the following, namely:
  - (a) A nominee of the Governor or Lt. Governor, as the case may be, who is a person of eminence in the field of higher education— Chairperson;
  - (b) A Vice Chancellor from a State Public University to be nominated by the Governor/LG of the State/UT - Member;
  - (c) A Vice Chancellor from a State Private University to be nominated by the State Government - Member;
  - (d) Chairperson of the State Council of Higher Education or his/her nominee from among the academic members of the Council— Member;
  - (e) Principal Secretary/Secretary to the State Government responsible for Higher Education— Member Secretary.
- (v) The Central Government shall appoint the Ombudsperson for a region from a panel of three names recommended by a search committee to be constituted for that purpose, and consisting of the following, namely:
  - (a) Chairperson, University Grants Commission or his/her nominee - Chairperson
  - (b) A Vice Chancellor of a Central University to be nominated by the Central Government - Member
  - (c) A Vice Chancellor of an institution deemed to be University to be nominated by the Central Government - Member
  - (d) A nominee of the Central Government, not below the rank of the Joint Secretary - Member
  - (e) Secretary, University Grants Commission - Member Secretary



- (vi) The Ombudsperson shall be appointed for a period of three years or until he attains the age of 70 years, whichever is earlier, from the date of assuming office, and shall be eligible for reappointment for another one term for the same State or region, as the case may be.
- (vii) For conducting the hearings, the Ombudsperson shall be paid a sitting fee, per diem, in accordance with the norms fixed by the University Grants Commission, and shall, in addition, be eligible for reimbursement of the expenditure incurred on conveyance.
- (viii) The State Government, in the case of an Ombudsperson of a State, and the Central Government, in the case of an Ombudsperson of a region, may remove the Ombudsperson from office, on charges of proven misconduct or misbehavior as defined under these regulations.
- (ix) No order of removal of Ombudsperson shall be made except after an inquiry made in this regard by a person not below the rank of judge of the High Court in which a reasonable opportunity of being heard is given to the Ombudsperson.

### FUNCTIONS OF OMBUDSPERSON:

- (i) The Ombudsperson shall hear appeals from an aggrieved student, only after the student has availed all other remedies provided under these regulations.
- (ii) While issues of malpractices in the conduct of examination or in the process of evaluation may be referred to the Ombudsperson, no appeal or application for revaluation or re-totalling of answer sheets from an examination, shall be entertained by the Ombudsperson unless specific irregularity materially affecting the outcome of specific instance of discrimination is indicated.
- (iii) The Ombudsperson may avail assistance of any person, as amicus curiae, for hearing complaints of alleged discrimination.
- (iv) The Ombudsperson shall make all efforts to resolve the grievances within a period of 30 days of receiving the appeal from the aggrieved student(s).

### 3. PROCEDURE FOR REDRESSAL OF GRIEVANCES BY OMBUDSPERSONS AND STUDENT GRIEVANCE REDRESSAL COMMITTEES:

- (i) Each institution shall, within a period of three months from the date of issue of this notification, have an online portal where any aggrieved student may submit an application seeking redressal of grievance.
- (ii) On receipt of an online complaint, the institution shall refer the complaint to the appropriate Student Grievance Redressal Committee, along with its comments within 15 days of receipt of complaint on the online portal.
- (iii) The Student Grievance Redressal Committee, as the case may be, shall fix a date for hearing the complaint which shall be communicated to the institution and the aggrieved student.
- (iv) An aggrieved student may appear either in person or authorize a representative to present the case.
- (v) Grievances not resolved by the University Student Grievance Redressal Committee shall be referred to the Ombudsperson, within the time period provided in these regulations.
- (vi) Institutions shall extend co-operation to the Ombudsperson or the Student Grievance Redressal Committee(s), as the case may be, in early redressal of grievances; and failure to do so may be reported by the Ombudsperson to the Commission, which shall take action in accordance with the provisions of these regulations.
- (vii) The Ombudsperson shall, after giving reasonable opportunities of being heard to both parties, on the conclusion of proceedings, pass such order, with reasons there for, as may be deemed fit to redress the grievance and provide such relief as may be appropriate to the aggrieved student.
- (viii) The institution, as well as the aggrieved student, shall be provided with copies of the order under the signature of the Ombudsperson, and the institution shall place it for general information on its website.

- (ix) The institution shall comply with the recommendations of the Ombudsperson; and the Ombudsperson shall report to the Commission any failure on the part of the institution to comply with the recommendations.
- (x) The Ombudsperson may recommend appropriate action against the complainant, where a complaint is found to be false or frivolous.

**9. INFORMATION REGARDING OMBUDSPERSONS AND STUDENT GRIEVANCE REDRESSAL COMMITTEES:**

An institution shall furnish, prominently, on its website and in its prospectus, all relevant information in respect of the Student Grievance Redressal Committee(s) coming in its purview, and the Ombudsperson for the purpose of appeals.

**10. CONSEQUENCES OF NON-COMPLIANCE:**

The Commission shall in respect of any institution, which willfully contravenes these regulations or repeatedly fails to comply with the recommendation of the Ombudsperson or the Grievance Redressal Committee(s), as the case may be, proceed to take one or more of the following actions, namely:

- (a) withdrawal of declaration of fitness to receive grants under section 12B of the Act;
- (b) withholding any grant allocated to the Institution;
- (c) declaring the institution ineligible for consideration for any assistance under any of the general or special assistance programs of the Commission;
- (d) informing the general public, including potential candidates for admission, through a notice displayed prominently in suitable media and posted on the website of the Commission, declaring that the institution does not possess the minimum standards for redressal of grievances;
- (e) recommend to the affiliating University for withdrawal of affiliation, in case of a college;
- (f) take such action as it may deem necessary, appropriate and fit, in case of an institution deemed to be University;
- (g) recommend to the Central Government, if required, for withdrawal of declaration as institution deemed to be a University, in case of an institution deemed to be University;
- (h) recommend to the State Government to take necessary and appropriate action, in case of a University established or incorporated under a State Act;
- (i) such other action as may be deemed necessary and appropriate against an institution for non-compliance.

Provided that no action shall be taken by the Commission under this regulation, unless the institution has been given an opportunity to explain its position and an opportunity of being heard has been provided to it.

- 11.** Nothing mentioned hereinabove in these regulations shall affect the continuance in office, during the currency of the term, of an incumbent Ombudsperson appointed under the provisions of the UGC (Grievance Redressal) Regulations, 2012; where after, the appointment of Ombudsperson shall be made as per University Grants Commission (Redress of Grievances of Students) Regulations, 2019.

Prof. RAJNISH JAIN, Secy.

[ADVT.-III/4/Exty./30/19]




Acharya Panth Shri Grindh Muni Naam Saheb Govt. P.G. College, Kawardna Dist.  
Kabirdham ( C.G.)

GRIEVANCE REDRESSAL

SESSION 2015-16

sr.n.	complainant	Complaint Recived	Complaint Mather	Redressal day	Redressal Remark
1	RAJESH SAHU B.COM. 1ST YEAR	1	DISORGANISE CYCLE BI- CYCLE PARKING.	SAME DAY 10.12.2015	TEUPORATILY ARRANGED.
2	LALIT KUMAR B.COM IST	1	CLEANING/CLEANLINESS	1 DAY LATER 11/12/15	GOT THE CLEANING DONE BY SANDING THE SWEEPER.
3	RAJESH DHURVE	1	DRINKING WATER PROBLEM	SAME DAY 04/10/15	VERY SOON ARRANGED FROM COLLEGE FUND.
4	BHUNESWAR DHURWE M.A. 34RD SEM SOCIOLOGY	1	LIGHTS AND FAUS.	2 DAY LATER	THE ELECTRICAL WAS CALLED AND GOT IT REPAIRED
5	MSC II & IV SEM., MATHS DEPARTMENT	1	SHORTAGE OF TEACHER	4 DAY LATER	SOLVED WITH THE HELP OF PUBLIC PARTICIPATION.

  
आ.पं.श्री वृ.मु.ना.सा.  
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय  
कर्मण विज्ञान-कर्मण (उ.प.)

Acharya Panth Shri Grindh Muni Naam Saheb Govt. P.G. College, Kawardha Dist. Kabirdham ( C.G.)

### GRIEVANCE REDRESSAL

sr.n.	complainant	Complaint Recived	Complaint Mather	Redressal day	Redressal Remark
1	LALIT KUMAR B.COM 1ST YEAR	1	DISORGANISED PAUKING LOT	IMMEDIATELY 05/02/2017	TEMPORARY ARRANGEMENT OF PARKING LOT.
2	KIRAN RAY	1	PROBLEM AT DRINKING WATER	1 DAY LATER	THE PIPE REPAIRED BY COLLING A PLUMBER
3	BAHADUR M.A. SOCIOLOGY	1	CLEANLINESS	2 DAY LATER	CLEANING WAS DONE IN THE GORDEN OF THE COLLEGE CAMPUS
4	KIRAN RAY M.A. SOCIOLOGY	1	LIGHT AND FANS.	2 DAYS LATER 10/05/2017	CALLED AN ELECTRICIAN AND GOT IN FIXED
5	ADITYA KUMAR 3RD SEMESTER.	1	SNORTAGE OF PRACTICAL TOLLS	2 DAYS LATER 12/05/2017	ARRANGED FROM PUBLIC PARTICIPATION FUND

*Administrative*  
प्राचार्य  
आ.चं.श्री गृ.मु.ना.सा.  
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय  
कब्रिदहम - चण्डीगढ़



## GRIEVANCE REDRESSAL

SESSION 2016-17

sr.n.	complainant	Complaint Recived	Complaint Mather	Redressal day	Redressal Remark
1	SAFAKAT KHAN B.A. FIRST YEAR	1	PROBLEM OF LIGHT AND FANS ( CLASS ROOM NO- 10)	2 DAY LATER 12/09/2016	SOON CALLED ELECTRICIAN
2	SAGAR SAHU B.A. 2ND YEAR	1	DISORGANISE D PARKING Lot	IMMEDIATELY SAME DAY 05/10/2016	TEMPORARY ARRANGEMENT OF PAUKING LOT
3	MUKESH GOYAL	1	PROBLEM OF DRINKING WATER.	IMMEDIATELY SAME DAY 03/09/2016	WATER PAUKING LOT.
4	ANURADHA M.A. SOCIOLOGY	1	CLEANLINESS.	2 DAYS LATER	IMMEDIATELY CLANING DONE BY SENDING THE SWEEPER.
5	WHOLE CALSS (MATHS DEPARTMENT)	1	DEFICIENCY OF TOOLS IN DEPARTMENT	3 DAYS LATER	TOOL WERE ARRANGED BY PUBLIC PARTICIPATION FUNC
6	M.SC II & IV SEM. WHOLE CALSS (MATHS DEPARTMENT)	1	SHORTAGE OF MATHES FACULTY	3 DAYS LATER	FACULTY ARRANGED BY PUBLIC PARTICIPATION FUND.

  
 आ.पं.श्री गुरुना.सा.  
 शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

Acharya Panth Shri Grindh Muni Naam Saheb Govt. P.G. College, Kawardha Dist. Kabirdham ( C.G.)

## GRIEVANCE REDRESSAL

2017-18

sr.n.	complainant	Complaint Recived	Complaint Mather	Redressal day	Redressal Remark
1	RADHIKA CHANDRAVANSHI	1	CLEANLINES	2 DAYS LATER 18/01/2018	CLEANING OF THE COLLEGE CAMPAS AND GARDEN WAS DONE QUICKLY
2	ATUL PANDEY B.A. FINAL	1	LIGHTS	2 DAYS LATER 11/03/2018	IMMEDIATELY CALLED ELCTRICIAN AND AND GOT IT FIXED.
3	RITIKA SAHU M.COM 1ST SEM	1	PROBLEM AT DRINKING WATER	SAME DAY 10/03/2018	CALLED PLUMBER TO SOLVE THE PROBLEM OF PIPE IN AQUAGUARD.
4	RADHIKA CHANDRAVANSHI	1	FOR PROPER ARRANGEMENT OF PARKING LOT.	SAME DAY 18/04/2018	TEMPORARY ARAENGEMENT.
5	NAINA SINGH MSC IV SEM ( GROUP OF STUDENTS PHYSICS DEPARTMENT	1	SHORTAGE AT PRATICLE TOOLS	SAME DAY 19/04/2018	THE TOOLS WERE GONE BECAUSE OF THE ANNUAL EXAM WITH WAS MADE AVAIBLE AGAIN
6	MSC II & IV SEM. STUDENTS ( CHEMISTRY DEPT.)	1	AVAIBILITY OF CLASS ROOM	ONE BY ONE 20/04/2018	DUCE TO THE ANNUAL EXAMINATION, THERE WAS A PROBLEM OF CLASS ROOKM WHICH WAS SOLVED AFTER A DAY

  
प्रिन्सिपल

आ.पं.श्री गृ.मु.ना.सा.  
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय  
कवर्धा, जिला-कवर्धा




Acharya Panth Shri Grindh Muni Naam Saheb Govt. P.G. College, Kawardha  
Kabirdham ( C.G.)

Dist.

GRIEVANCE REDRESSAL  
2018-19

sr.n.	complainant	Complaint Recived	Complaint Mather	Redressal day	Redressal Remark
1	RAMESH KUMAR M.COM 1ST SEM.	1	CLEAN LINESS IN CLASS ROOM	2 DAYS LATER 09.08.2019	DUE TO THE MAINTENANCE WORK IN THE CLASS ROOM THE CLASS ROOM WAS CLEANED AFTER 2 DAYS
2	ARJUN SAHU M.A. SOCIOLOGY	1	PROBLEM OF DRINKING WATER.	SAME DAY 10/09/2019	DRINKING WATER FROM QUAGUARD WAS NOT COMING DUE TO NO POWER SUPPLY AN IT WAS SOON RACTIFIED.
3	RITIK KUMAR M.COM 3RD SEM.	1	UNORGANISED PARKING LOT	SAME DAY 10/11/2019	TEMPORARY ARRANGEMENTS WERE MADE.
4	MANOJ KUMAR	1	LIGHT & FANS	SECOND DAY	THE WIRE GOT BURNT DUE TO A SMALL SHORT CIRCUIT WHICH WAS REPAIRED KEY CALLING AN ELECTRICIAN
5	COMMERCE DEPARTMENT ALL STUDENTS	1	SHORTAGE OF COMMERS FACULTY.	S DAYS LATER 23/10/2019	ARANGE MENTS WERE MADE FROM JAN-BHAGIDARI ( PUBLIC PARTICIPATION) FUND.

  
प्राचार्य  
आ.पं.श्री गृ.मु.ना.सा.  
शासकीय सन

**Acharya Panth Shri Grindh Muni Naam Saheb Govt. P.G. College, Kawardha Dist.  
Kabirdham ( C.G.)**

DATE - 30/09/2019

- 1 Today on 30/09/2019 a Necessary Meeting of Grievance reduessal cell of the college was held in relation to the allegations . Leveled by shri ramesh Mahobia ( data Entry Operator ) on Examination department in which following members were present.

DATE - 04/10/2019

- 2 Today on 4th, a Meeting was held by the Grievance Red ressal cell, in which a casual meeting was held regarding the application ( megarding Indecent behaviour at Principal) Made by student jitesh was Yadav.( B.Com- I ). The following members at the meeting were present in  
**Conclusion of Meeting**


- 1 Condemned the indecent behaviour done by the pricipal against the student.
- 2 It was decided in the Meeting at the Committee that the Principal should apologise to the student for the Aet done.

DATE - 17/12/2019

- 1 Necessary Meeting was held today on 17/12/2019 regarding the Complaint received by B.sc first Year. The following decisions were faken by the Grievance Redressal cell in the Meeting. It inside the college Campus. If it comes to know about the children begging and other unnecessary work during office hours. Then their information will be given to the District head of Aastha Sansthan immediately for appropriate action.

- 2 All the officers and staff at the college will make a surprise visit to the college campus once a day for the cognisance of the suspected children.

- 3 for the legal settlement of the application received from the students. Of the College, the application of the students was originally sent to the city Kotwali ( Police Station ) Kabirdham

  
प्राचार्य  
आ.पं.श्री गृ.मु.ना.सा.  
शासकीय त.



**Acharya Panth Shri Grindh Muni Naam Saheb Govt. P.G. College, Kawardha  
Dist. Kabirdham ( C.G.)**

DATE -18/11/2020

Today, on the 18/11/2020 a nessessary Meeting was held regarding the applications  
1 received rom the students at M.A. Illrd Sem ( ). The Following decisions were taken by the  
Grievance Redressal Cell in the Meeting.


Every one's Concept was taken to request the Public participation Committee of the college  
2 to have a teacher on the subject of geography from the fund of public partiiciation, so that  
the educational Problems of the students Could be solved.

DATE -16/01/2021

Today a Meeting was held on the date 16/01/2021 regarding the applications Recived from  
the studnets of B.Sc. First Year In which keeping in Mind the Interest of the Studnets  
1 Consideration was given to keep a teacher from Public participation fund of the College till  
the appointment of Guest lecturer and regular proffessor. It was also considered for holding  
a meeting at the Public Participation Committee in College.

Date - 17/11/2021


In today's Meeting ( 17/11/2021 ), The Facilities being provided to the girls students in the  
common rookm were highlighted Through the students common room committee the  
principal was informed about the faciliteis by applying to the principal and they were soon  
asked to arrange neccessary materials and clinliness. The said Meeting was held under the  
chirmanship of Principal, in which the Members of thee gauievance redressal cell  
participated along with this the coordinator and members at the students common room

  
आ.पं.श्री.गु.मु.ना.सा.  
भासकीय स्वातंत्र्योत्तर महाविद्यालय

Acharya Panth Shri Grindh Muni Naam Saheb Govt. P.G. College, Kawardha Dist.  
Kabirdham ( C.G.)  
Action taken Report

Date - 16/11/2021

On the Facilities being provided to the girl students in the Common room today. Redressal was done by Dr. Richa Mishra maam. Necessary materials and cleaning facilities were  
1 Provided by Pramod verma related to Student Common room and Redressed the Complaint.

  
प्राचार्य,  
आ.पं.श्री ग.मु.ना.सा.  
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,  
कानपुर



शिकायत निवारण रजिस्टर

सत्र 2015-16

आचार्य पंथ श्री गृन्ध मुनि नाम सोद्वेण

शासकीय रत्नातकोतर महाविद्यालय कवर्धा

जिला - कवीरघाम





प्रति,

प्राचार्य महोदय जी

आठ पंख: श्री सुब्ब कुनि नाम साहेब

शास्त्रीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा

विषय:- महाविद्यालय परिसर में अव्यवस्थित साइकल एवं मोटर साइकल की व्यवस्थित तारिके से रखवाने का अनुरोध।

महोदय जी,

अनुरोध निवेदन है कि महाविद्यालय में अव्यवस्थित साइकल एवं मोटर साइकल की व्यवस्थित तारिके से रखवाने की बहुत आवश्यकता की व्यवस्था की आवश्यकता है ताकि आगने से जाने वाले मोटर साइकल से आने जाने में असुविधा होती है। जब व्यवस्थित तारिके से रखे जाये तो आने जाने में होने वाली असुविधा दूर हो सके।

अतः महोदय जी से अनुरोध है कि साइकल तथा मोटर साइकल को व्यवस्थित तारिके से रखवाने की आपात दया करें।

धन्यवाद

Rajesh  
साधु

~~दिनांक  
10/12/2025~~

शर्मा साहू

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.H.S.GOV.T.P.G  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

कुला B. Com J. J. J.

प्रति,  
प्राचार्य महादय

छात्राय पंथश्री उदय मुनि नाम साहिब जगदीय  
स्नानकुण्ड मवा. कवर्धा जिला. कबीरधाम

विषय - महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई हेतु आवेदन

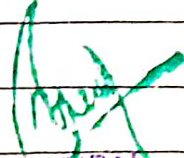
महादय जी,

सन्म निवेदन है कि महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई करने हेतु प्राचार्य महादय निवेदन है कि महाविद्यालय परिसर में पुर्न उदगी को सफाई कुर्मगरिया के द्वारा अतिवधि साफ करवाने की कृपा करें।

धन्यवाद

हस्ताक्षर - ललित  
प्राधी - ललित कुमार

दिनांक  
11-18-2015

  
PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.S.GOV.T.P.G  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

कक्षा - B.Com I



प्रति,

प्राचार्य महोदय

भाचार्य

पंच श्री

शासकीय

सनातकोतर

गाम खोहर

विषय: - महाविद्यालय में पानी की व्यवस्था करने  
बाबत ~~महोदय जी~~  
महोदय जी,

महाविद्यालय में जो पानी फिल्टर है  
उसमें सुदृक् एवं लाल लुट सुदृक् पानी  
शुद्ध पानी की व्यवस्था करने की कृपा  
करे ताकि महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-  
छात्रों को सुदृक् पानी मिल सके।

अतः महोदय से निवेदन है कि  
पानी फिल्टर को साफ करवाकर सुदृक्  
पानी आवाने की कृपा करें।

धन्यवाद

प्राचार्य

~~दिनांक  
24/10/15~~

शंजेश दुर्गे

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

कक्षा-11 ली. कम  
सयम वर्ष  
शासकीय, एनो. महा,  
कसहा

प्रति,

शाखापति  
Govt. P.G. College Kawardha,  
Kabirdham (C.G.)

विषय:- कक्षा अंक 11 में लाइव एवं पेंचों की समस्या  
बारे में अनुमति आवेदन।

महोदय,

आवृत्त विवेक है कि हमारे महाविद्यालय में कक्षा अंक 11 में लाइव एवं पेंचों नहीं चलता है. यहां पर 04 लाइव एवं 04 पेंचों अंकित हैं। अतः आपसे विवेक है आप लाइव एवं पेंचों को सुधारावार्थ में अनुमति प्रदान करें. जिससे हमारे छात्रों को कोई भी परेशानी न हो।

अनुमति देने में आपकी कृपा होगी।

आपका,

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

आधी

नाम - ~~...~~ अशोक कुमार  
कक्षा - III लेजरल  
तकालीन विभाग

दिनांक

02/03/2016



प्राचार्य महाविद्यालय


समाप्त. ~~स्नातकोत्तर महा. कवर्धा~~  
जिला - कबीरधाम (दि.ग.)

विषय - जाति की कक्षा प्रारम्भ करने हेतु  
महाविद्यालय,

निवेदन है कि हमारे MSc. III & IV  
Semester की कक्षाएं नहीं लग पा रही हैं, जिससे  
हमारी पढ़ाई में बाधा उत्पन्न हो रही है व. अफसर  
पाठ्यक्रम प्रिंसिपल है। अतः मायब जी से  
निवेदन है कि MSc. IV Sem. में शीघ्र ही  
कक्षाएं नियमित रूप से प्रारम्भ करवाएं।

धन्यवाद

दिनांक 04/03/16

  
PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

प्रार्थी - समान  
दीप/दीपार  
MSc. III & IV Sem.

शिकायत निवारण

वर्ष 2015-16

शिकायत का विषय	शिकायत निवारण दिन	निवारण विवरण
नाशिकेल एवं मोटर- साइकिल अत्यावस्थित	उसी दिन 10/12/2015	आवश्यकता से वाहन किराया दो सफाई को सुरंत किया गया
स्वाफ - सफाई	शुद्ध दिन बाद 11/12/15	
पानी की समस्या	उसी दिन 04/10/2015	जल्दी ही शोध लिए बस कावेज कंड से वाहन मिस्त्री को बुलाकर अवस्था ठीक किया गया
लाइट एवं परबे	बड़े दिन बाद 02/03/2016	
बिफ्लाउ की छकी (गणित विकारा)	चाट दिन बाद 04/03/2016	जनभागी दारी के माध्यम से



क्रमांक	शिकायतकर्ता का नाम	प्राप्त शिकायत
01.	सुककत खान ली. ०२० प्रथम वर्ष	०१.
02.	सागर साहू ली. ०२० <del>प्रथम</del> द्वितीय वर्ष	०१
03.	उमेश गोमल	०१.
04.	अनुराधा रम. ०२० समाजशास्त्र I सेमेस्टर	०१
05	अमरन ठाकुर / ठाकुर M.Sc. I & II सेमे. (गणित विभाग)	०१
06.	अमरन ठाकुर / ठाकुर M.Sc. II & IV सेमे. (गणित विभाग)	०१

प्रति

प्रान्चार्य महोदय जी  
अचार्य पंथ श्री गुरुदेव मुनि नाम साहेब  
शासकीय ज्ञानकोश महाविद्यालय कपवा

विषय: - कक्षा क्रमांक 12 में लाइव एवं  
पंथों की भरमात करने काबत  
महोदय जी,

विषयान्तर्गत लेख है कि महाविद्यालय  
के कक्षा क्रमांक 12 में लाइव विभाग की  
कक्षाएं संचालित होती हैं में पंथों नहीं  
चल रहा है पंथों नहीं चलने पर विषय  
पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर पा रहे हैं।

आत: महोदय जी से निवेदन  
है कि कक्षा क्रमांक 12 की पंथों को  
पुनः संचालित की जाये।

धन्यवाद

दिनांक

10/07/2016

प्राचार्य

अफकत खान

कक्षा-वी. 20 प्रथम वर्ष

*Ashwini*

PRINCIPAL

A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.

COLLEGE KAWARDHA

DISTT-KABIRDHAM



प्रति

प्राचार्य महोदय  
आचार्य पंथ श्री गुरु मूनि नाम सदैव  
शास्त्रीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा

विषय: - महाविद्यालय परिसर में अव्यवस्थित साईकिल एवं मोटरसाईकिल की  
की व्यवस्था तारिके से रखवानी बाबत

महोदय जी,

सबम निवेदन है कि महाविद्यालय परिसर में अव्यवस्थित  
साईकिल एवं मोटरसाईकिल की व्यवस्थित तारिके से रखवानी की  
के लिए सब व्यवस्था की आवश्यकता है ताकि सामने  
रखे जाते हैं जिससे आने-जाने में असुविधा होती है।  
व्यवस्थित तारिके से रखवानी से आने-जाने में होने  
वाली समस्या से बचे सके।

अतः महोदय जी से आग्रह है कि साईकिल तथा  
मोटर साईकिल की व्यवस्थित करने की आपका प्या है।

धन्यवाद

दिनांक  
05/10/16

  
PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

प्राची  
सागर साहू  
कक्षा B.A-II

प्रति,

प्राचार्य महोदय  
आचार्य पंथ श्री गृध्रभुनि नाम साहेब  
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय - कुवर्धा,

विषय:- महाविद्यालय में पानी की व्यवस्था करने के लिए  
महोदय जी,

विषयवस्तु लेख है कि महाविद्यालय में

जो पानी फ़िल्टर है उसमें शुद्ध रूप में साफ पानी की  
उपयुक्त व्यवस्था नहीं उसी साफ़ कर शुद्ध पीने योग्य  
पानी की व्यवस्था करने की कृपा करें ताकि महावि.  
में अध्ययनरत छात्र-छात्रों को शुद्ध पानी मिल सके

अतः ~~विषय~~ महोदय से निवेदन है कि  
पानी फ़िल्टर को साफ़ करवाकर शुद्ध पानी भरवाने  
की कृपा करें।

धन्यवाद!

दिनांक  
03/09/2016

  
PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

प्राचार्य  
उत्तेश मोयल  
कक्षा - B.A.I



पान

प्राचार्य महोदय

आज पंडीतजी महोदय और नारायण महोदय, शाखा

महोदय वरुण. जिन्ना. कबीरधाम

विषय - महाविद्यालय प्रांगण में लाफ-सफाई हेतु

महोदयजी,

विषय निम्न है, कि महाविद्यालय

के प्रांगण में लाफ-सफाई की लक्ष्य आवश्यकता है. अतः लाफाई कर्मचारी के माध्यम से अतिरिक्त

महाविद्यालय प्रांगण की सफाई करायें की. कृपया इसे

ध्यान दें

प्रार्थी. अशुभा

एन.ए.ए. अशुभा

दिनांक  
12-12-2016

*Administrative*

PRINCIPAL

A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

अशुभा / म.अ. अशुभा  
I SEM.

प्राप्त

प्रान्तार्ग

शास. स्नातकोत्तर महा. कवर्धा

विषय - गणित की कक्षाये पारंग करने बाबत

महोदय जी

निवेदन है कि आपके महा. में

M.Sc प्रथम एवं द्वीतीय sem (गणित) की कक्षाये नहीं हो पा रही है, जिसके कारण हमारे पढ़ाई में बाधाये उत्पन्न हो रही हैं, अतः महोदय जी से आग्रह है कि M.Sc (गणित) की कक्षाये पारंग की जाये

धन्यवाद

दिनांक  
02/12/16

  
PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

प्रार्थी

समस्त दक्ष कक्षाये

M.Sc I & III sem  
(गणित)

शास. स्ना. महा. - कवर्धा  
(दे. ग.)



जान,

जगन्नाथ  
शारदा स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुवर्धा  
जिला - कुशीनगर (रंग.)

विषय :- गाणित की कक्षा प्रारंभ करने हेतु ।

महोदय जी

सादर निवेदन है कि हमारी श्रम. श्रमिकी.  
गाणित की कक्षाएँ नहीं हो पा रही हैं,  
जिसके विद्यार्थी परेशान हैं, अतः आप से  
निवेदन है कि हमारी कक्षाएँ प्रारंभ करने  
की कृपा करें ।

" धन्यवाद "

दिनांक 20/12/16

*Administrative*

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

जयशंकर  
समस्त क्षेत्र-कार्य

M.Sc. II<sup>st</sup> & IV Sem  
(गाणित)

शारदा स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुवर्धा



शिवागत का विषय	शिवागत तिथि	विचारणीय	टिप्पणी
लाइट एवं पंखों की समस्या सुझावों के लिए	दो दिन बाद 12/07/2016	गिरणी के जतनी से अनुमति प्राप्त	
दुकान विद्युत साइकिल एवं मोटर साइकिल	तत्काल उसी दिन 05/10/2016	शासनाधीन रूप से पार्किंग की व्यवस्था	
पानी की समस्या	तत्काल उसी दिन 03/09/2016	बॉटल परीक्षण की व्यवस्था किया गया	
स्वच्छ - सफाई	दूसरे दिन बाद 13-12-2016	करफार्स की तत्कालिक रक्षाम पालेजाकर सफाई कराया गया	
विद्युत में टूटों की समस्याएँ	तीन दिनों बाद 25/01/2016	जनशक्ति फंड से टूटों की व्यवस्था किया गया है	

गणित शिक्षक की भूमिका समीक्षा	5 पंचदिनांक 03/01/17	जनशक्ति फंड से व्यवस्था	
-------------------------------	-------------------------	-------------------------	--

Principal  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM



क्रमांक	शिकायत कर्ता	प्राप्त शिकायत
01.	ललित कुमार वी० कामि <del>के</del> प्रथम वर्ष	01
02.	छिरन शय	01
03.	बहादुर ब.स्क० कामि प्रथम सेमेस्टर	01
04.	छिरण शय स्क० २० समाजशास्त्र	01
05.	आदित्य कुमार तृतीय लेमोन्ट (आरिठ छात्र)	01

प्रति,

प्राचार्य,  
शास० स्नात० महा० कुवर्धा  
जिला - कबीरधाम

विषय => गणित की कक्षाएं प्रारंभ करने बाबत ।

महोदयजी,

निवेदन है कि हमारे महाविद्यालय में एम०एस० सी०  
गणित प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं नहीं  
हो पा रही हैं, जिससे विद्यार्थी परेशान हैं। ~~कौन्सिल~~  
अतः आपसे निवेदन है कि एम०एस० सी० ~~गणित~~  
प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारंभ यथाशीघ्र  
कराने की कृपा करें।

धन्यवाद

दिनांक 10/12/17

प्रार्थी

समस्त छात्र-छात्राएँ  
एम०एस० सी० गणित  
प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर  
शास० स्नात० महा० कुवर्धा

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM



प्रति,

माननीय अशोक शाह जी  
विद्यार्थक - कवर्धा



विषय: शास. रूनातकोत्तर महा विद्यालय-कवर्धा  
B.Sc. द्वितीय वर्ष के प्रायोगिक रिक्त  
में नाम दर्ज करने विषयक।

महोदय जी,

उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि  
मैं कु० अमृता निर्मलकर श्री किशन  
निर्मलकर शास. रूनातकोत्तर महा० कवर्धा में  
द्वितीय वर्ष की छात्रा हूँ। विषय BOTANY, CHE, BLOTECH.

नवीन प्राचार्य महो०  
Pa. Coll. कवर्धा  
हृषया छात्रा का नाम  
BSc (U) science  
के अंतर्गत प्रायोगिक  
रिकार्ड्स नाम दर्ज करने  
के लिए इस कार्यालय को  
एक सप्ताह के अन्तर्गत  
सूचित करना सुनिश्चित  
करें।

प्रथम वर्ष उत्तीर्ण करने के पश्चात मैंने  
द्वितीय वर्ष में नियमित प्रवेश हेतु आवेदन  
किया था परन्तु महाविद्यालय के गुरु के कारण  
पुनः मेरा नाम प्रथम वर्ष (BSc) में अंकित  
किया गया। उक्त गुरु को मेरे द्वारा मान-  
अर्पण कराया गया परन्तु किसी भी के  
द्वारा संतुष्टि पूर्व जवाब दिया गया ना ही  
मेरा नाम द्वितीय वर्ष (BSc) के प्रवेश रजिस्टर  
में विषयवार अलेक्जेंडर रजिस्टर में जोड़ा गया  
अब! माननीय महोदय जी से

R.K. Singh  
14.01.16

श्री. केशव महाराज  
अध्यक्ष, आन. स. क.  
कवर्धा - 431001

निवेदन है कि परीक्षा का समय नजदीक आ  
जाने के कारण मैं चिंतित हूँ।  
मेरा नाम BSc द्वितीय वर्ष के प्रत्येक  
रिकार्ड में दर्ज कराने की कृपा की।

14.01.16

Amruta  
अविदिता  
कु० अमृता / किशन  
निर्मलकर शा. कवर्धा  
7748832201

प्रति,

प्राचार्य महोदय  
आचार्य पंजा श्री कल्या मुनि नाग आश्रम  
शालग्राम खन्नातकोटर महाविद्यालय  
कवशा

विषय: महाविद्यालय परिसर में अव्यवस्थित साइकिल एवं मोटरसाइकिल को व्यवस्थित तारिके से रखवाने का अनुरोध

महोदय जी,

सबसे पहले मैं आपको महाविद्यालय परिसर में अव्यवस्थित साइकिल एवं मोटरसाइकिल को व्यवस्थित तारिके से रखवाने की व्यवस्था की आवश्यकता है ताकि सामने शराब पीने वाले आने-जाने वाले छात्र एवं प्राध्यापकों को असुविधा होती है व्यवस्थित तारिके से रखवाने से शराब पीने वाले आने-जाने में होने वाली समस्या उत्पन्न हो सके।

अतः प्राचार्य महोदय को मैं निवेदन है कि साइकिल तथा मोटरसाइकिल को व्यवस्थित तारिके से रखवाने का अनुरोध है।

दिनांक 5/02/2017  
Principal  
A.P.S.G.M.N.S. GOVT. P.G. COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM  
प्रार्थी  
ललित कुमार  
B. Com. I



प्रति,

प्रान्तिय महोदय  
आचार्य पंथ श्री गुरुदा मुनि  
नाम साहेब, सामर्थीय, रनातकोट  
महाविद्यालय, कवधा

विषय:- महाविद्यालय में पानी की व्यवस्था  
काने बालक  
महोदय जी,

महा विद्यालय में जो पानी सत्र निवेदन है कि  
उसमें कुछ एवं साफ पानी मांग  
पानी की उपयुक्त व्यवस्था नहीं हो रही  
है जिससे महाविद्यालय में पढ़ने वाले  
छात्र-छात्राओं को पानी लेने में  
आना पड़ता है तथा पास  
जगाने पर बाहर से पानी लाना पड़ता  
है।

अतः महोदय जी से निवेदन  
निकट है कि पानी फिज्ड में  
साफ एवं पानी योग्य पानी बनाने  
की कृपा करें।  
धन्यवाद

सच्चा

दिनांक  
५/३/११

Principal  
PRINCIPAL

A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

छि 2 व 21 अ

कक्षा- एम. एड

समाप्त 21/11/11

प्रति,

प्राचार्य महोदय

डा. चारु पंधरा श्री मन्थ मुनि लाम सरोवर

शासकीय स्वातंत्र्य मंडल - कवर्धा

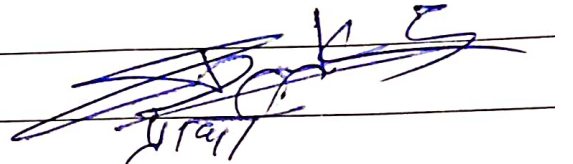
जिला - कबीर धाम

विषय: - महा. पत्रिका में साफ साफ लिखे हुए  
महोदय जी,

सन्तान निवेदन है कि महा विद्यालय  
पत्रिका में साफ साफ लिखे हुए  
प्राचार्य महोदय से निवेदन है कि  
इस पत्रिका की गन्धी है जिसे साफ  
कर्मियों को बोलकर साफ लिखने  
की को अवकाश करें।

धन्यवाद

दिनांक  
10/04/2017

  
प्राचार्य  
कवर्धा - महाराष्ट्र  
एम (कॉ. + स्ट.)



PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM



प्रति,

प्राचार्य

शासकीय रत्नातकोतर महाविद्यालय

कवर्धा जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

विषय: - कक्षा क्रमांक 15 में लाइट खराब

है उसकी मरम्मत करने वाला

महोदय जी,

सन्म निवेदन है कि कक्षा  
क्रमांक 15 में 06 पंखे लागे हुए हैं  
जिनमें से मात्र 05 पंखे ही चल रहे हैं  
बकी के 01 पंखे खराब हैं ही पंखे नहीं  
चलने के कारण एक लोग पढ़ाई में ध्यान  
केन्द्रित नहीं कर पा रहे हैं।

अतः महोदय जी से निवेदन है  
कि व्यावसायिक पंखों को सुधरवाने की कृपा  
करें।

धन्यवाद

शार्दी

विभव राय

कक्षा - M.A.

विषय: समाजशास्त्र

प्राचार्य पंथ श्री गंध मुनि नाम स्नातेषु  
शासकीय रत्नातकोतर महाविद्यालय  
कवर्धा जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

  
PRINCIPAL

A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DIST. KABIRDHAM

प्रति,

प्राचार्य महोदय,  
आ.पं.श्री कृ.मं.ना.सा.शा.रना. महाविद्यालय,  
कवर्धा

विषय - सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग में पानी सप्लाई बंद होने काबत ।  
महोदयजी,

विषयवर्तित लेख है कि सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग ।  
प्रयोगशाला में विगत 1 माह से पानी की सप्लाई बंद है,  
जिस कारण लेब में मुझे पारोडिगल कार्य करने में असुविधा  
हो रही है। इससे बच्चों का प्रायोगिक कार्य बाधित हो रहा है  
अतः महोदय से अनुरोध है कि पानी की सप्लाई  
हेतु उचित कार्यवाही करने का कष्ट करें।

धन्यवाद

दिनांक 13.10.17

आवेदक

~~शिखा श्रीवास्तव~~

शिखा श्रीवास्तव  
अतिथि (शास्त्रालय  
(सूक्ष्मजीवविज्ञान)

Forwarded

Shandh

13-10-17

(SHWETA PANDEY)

Principals

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

शुभकर  
13/10/17



शिकायत का विषय	शिकायत निवारण दिन	निवारण कर्ता	टिप्पणियाँ
अव्यवस्थित साइकिल एवं मोटरसाइकिल के व्यवस्थित करने	तत्काल उली दिन 05/04/2017	अस्थायी रूप से व्यवस्था कराया गया	
पानी की समस्या	20 दिन बाद 05/03/2017	बम्बर को बुलाकर पानी पाइप को ठीक कराया गया	
साफ - सफाई	10/04/2017 उली दिन	कॉलेज गार्डन में सफाई कराया गया	
बाइल एवं पंखे	दो दिन बाद 10/05/2017	मिरापुरी को बुलाकर सुधारकार्य कराया गया	
प्रायोगिक टूल्स की समस्या	दो बरस दिन बाद 12/05/2017	जनसागरदारी फंड से व्यवस्था	

क्रमांक	शिकायत कर्ता	प्राप्त शिकायत
01.	राधिका चन्द्रवंशी शुक्र.शुक्र. समाजशास्त्र प्रथम सेमेस्टर	01
02.	अतुल पाण्डे बी.शुक्र. अंतिम वर्ष	01
03.	रितिका साहू शुक्र. काम प्रथम सेमेस्टर	01
04.	राधिका चन्द्रवंशी शुक्र.शुक्र. समाजशास्त्र प्रथम सेमेस्टर	01
5/	जना सिंह M.Sc. IV Sem. एवं समाज कार्य-कार्य (कार्यशास्त्र विभाग)	01
6.	समान कार्य/कार्य M.Sc. II & IV सेमे. समाजशास्त्र विभाग	01



10/11/2018

प्रोग्राम, सहायक

श्री. महाविद्यालय कक्षा

विभाग - महाविद्यालय परिसर के आसपास  
निकाले हुए सिलेस

महिलेजी,

प्रिय विद्यार्थी है कि महाविद्यालय के  
आसपास परिसर में काफी गंदगी है जिससे  
आविर्भाव निकलने की आवश्यकता है।  
महिलेजी विद्यार्थी है कि आविर्भाव  
परिसर में निकाले - कृपया।

प्र. प्रकाश  
दिनांक  
16-1-2018

प्र. श्री. राधिका प्रकाश

सहायक - शिक्षिका

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

कक्षा - 12<sup>th</sup> / 10<sup>th</sup> / 11<sup>th</sup> / 9<sup>th</sup> / 8<sup>th</sup> / 7<sup>th</sup> / 6<sup>th</sup> / 5<sup>th</sup> / 4<sup>th</sup> / 3<sup>rd</sup> / 2<sup>nd</sup> / 1<sup>st</sup>

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

1<sup>st</sup> sem

प्रति,

प्राचार्य महोदय

आ. पं. श्री. मल्ह, कुमि. नाम. साठेव

शा. रत्नातकोटा मध. नवधा

विषय :- महाविद्यालय में पानी की व्यवस्था करने का कार्य  
मधोदय जी,

विद्यमान की लेख है कि  
महाविद्यालय में जो पानी फिटल है उसमें  
पाने योग्य पानी की व्यवस्था नहीं है  
उस स्थाक को कुछ पाने योग्य  
पानी की व्यवस्था करने का कृपा करें  
ताकि ताकि महाविद्यालय में अध्ययन  
रुका छात्रों को कुछ पानी मिल सके

अतः मधोदय जी के निवेदन  
का पानी फिटल को स्थाक रखकर  
पानी आवान की कृपा  
करें।

धन्यवाद

दिनांक

10/3/2018

प्राचार्य

रिजिस्ट्रार साहू

महा एम. कमि  
1st Sem

PRINCIPAL

A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

PRINCIPAL

A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.

आ. पं. श्री. मल्ह कुमि

राजकीय रत्नातकोटा



प्रति,

प्रान्चार्य महोदय

आचार्य पंथ श्री गुरुदा मुनि नाम साहब

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवधा

विषय:- महाविद्यालय परिसर में अव्यवस्थित साइकल एवं मोटर वाहनों को व्यवस्थित तारिके से रखने काबत

महोदय जी,

सन्म निवेदन है कि महाविद्यालय परिसर में अव्यवस्थित साइकल एवं मोटर वाहनों की व्यवस्थित तारिके से रखवाने की आवश्यकता है ताकि सामने रखे जाने वाले मोटर साइकल से आने जाने में होने वाली असुविधा होती है जव्वा व्यवस्थित तारिके से रखे जाये तो आने-जाने में होने वाली असुविधा दूर ले सके।

आतः महोदय जी से आग्रह है कि साइकल तथा मोटर साइकल को व्यवस्थित तारिके से रखवाने की आपाट उ दया करें।

धन्यवाद

दिनांक

18/04/2019

साधिका

साधिका चन्द्रलंछी

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAVIYASHA  
DIST. KAZIRODHAM

कवधा - M.A. Sociology  
आचार्य पं. श्री. गुरुदा मुनि नाम साहब  
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय  
कवधा जिला - कवडीघाट

प्रति,

राष्ट्रीय

विषय:- कक्षा  
कमान

स्नातकोत्तर महाविद्यालय कतर्धा  
कमान 10 में लाइट एवं पंखे की मरम्मत  
अ.बालक

महोदय जी,

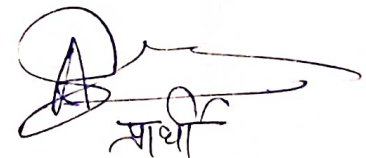
सद्विनय निवेदन है कि हमारे महाविद्यालय के  
कक्षा कमान 10 में लाइट एवं पंखे नहीं चल रहे हैं यहाँ पर  
04 लाइट एवं 03 पंखे हैं जो सभी खराब हो चुके हैं जिसके  
कारण से पंखे नहीं चलता है और हमें अध्ययन करते  
समय काम गमना का सामना करना पड़ता है जिसके कारण  
पढ़ाई में ध्यान अच्छे से नहीं लगा सकते हैं।

अतः महोदय जी से निवेदन है कि  
जल्दी से जल्दी पंखों को सुधाराने की कृपा करें।

दिनांक

09/09/2019

धन्यवाद

  
साथी

अमूल पाण्डे  
वी.एच. अतिथि

आचार्य पंथ श्री गुरु प्रसि नाम  
साहेब शाह स्नातकोत्तर कक्षा  
कतर्धा (छ.ग.)

  
PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM



शिकायत का विषय	शिकायत निवारण दिन	निवारण कार्य	दिनांक
सफाई	दो दिन बाद 16/01/2018	कॉलेज परिसर एवं गाइडें छिटाकार जल्दी ही करवाया गया	
लाइट एवं पखे	दो दिन बाद 11/03/2018	विजली मिलायी के कुत्ताक (तुरी) करवा या	
पीने योग्य पानी की समस्या	16/03/2018 उसी दिन	पीने के पारप में खराबी के कारण कुत्ता जिमाने • लंबा के कुत्ताक • डीठ करवाया गया	
संप्रभिल एवं मोटर लक्ष्मि निचवाल्या सुधारवाने	उसी दिन 16/04/2018	कितनासी खराबी करवाया गया	

प्रायोगिक लॉब की ठमी	उसी दिन 19/04/2018	लॉब वार्जिक परीक्षा के कारण रुन्दा रहा जिसे उपलब्ध करवाया गया
ब्लगलठप की समस्या	एक एक बार 20/04/2018	वार्षिक परीक्षा के कारण क ब्लगलठप की समानता हो रही थी जिसे एक दिन बाद वापस कर दिया गया

विद्यार्थी

शिकायत

क्र.	शिकायतकर्ता	साप्त शिकायत
01.	रमेश कुमार स्क. काम प्रथम - सेमेस्टर	01
02.	अर्जुन साहू स्क. काम प्रथम - सेमेस्टर	01
03.	रिती कुमाल स्क. काम तृतीय सेमेस्टर	01
04.	मनोज कुमार	01
05.	आमरुत ठास/ठासराँ वाणिज्य विभाग	01



प्रति

प्राचार्य महोदय जी  
अचार्य पंच श्री मूढ मुनि नाम साहेब  
शालकीय रत्नातकोत्तर महाविद्यालय कवधा

विषय:- महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई हेतु लावत

महोदय जी,

विवरित निवेदन है कि महाविद्यालय  
परिसर के शास-पाख परिसर में गंदगी है जिसकी  
अतिशीघ्र सफाई की आवश्यकता है।

अतः महोदय जी से निवेदन है  
कि महाविद्यालय परिसर को साफ-करवाने की  
कृपा करें।

धन्यवाद

साधा

दिनांक

-8/18/2017

रमेश



कक्षा एम. कॉम  
सथम सेमेस्टर

PRINCIPAL

A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.

COLLEGE KAWADHA

DISTT-KABIRDHAM

प्रति,

प्राचार्य जी

आधुनिक रनातकोतर महाविद्यालय कर्धा

विषय - महाविद्यालय परिसर में पानी की व्यवस्था करने का  
महोदय जी,

विषयानुसार लेख है कि महाविद्यालय  
में जो पानी फिट्टर है उसमें पीने योग्य पानी  
की व्यवस्था नहीं है उसे साफ़ कर शुद्ध  
पीने योग्य पानी की व्यवस्था करने की  
कृपा करें।

अतः महोदय जी से निवेदन है कि  
पीने योग्य पानी करने की कृपा करें।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

दिनांक

अर्जुन साहू

10/09/2019

2019-2020 समयावधि

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S. GOVT. P.G.  
COLLEGE, KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

आचार्य पंच श्री सन्ध्या कुमारी  
नाम सोहन  
शा. रानी. मधी. कर्धा



प्रति

प्रान्तिय मधेस्य

शा. टना. मधेस कपर्दी

विषय: - महाविद्यालय में व्यवस्थित साइकिल एवं  
मोटर साइकिल को रखवाने का बत  
मधेस जी,

सनम निवेदन है कि महाविद्यालय  
परिसर में प्रत्येक वर्ष साइकिल एवं मोटर साइकिल  
की व्यवस्था करने से रखवाने की  
व्यवस्था की आवश्यकता है ताकि  
स्वामते रखे जाने वाले मोटर - साइकिल  
से आने-जाने में होने वाली अलुविधा  
होती है उसे व्यवस्थित रखवाने की कृपा  
करे।

धन्यवाद

प्राथी

दिनांक

10/01/2019

रिक्ति

कक्ष 200 कांम

तृतीय लेवेल

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM

प्रति,

प्राचार्य

शासकीय

ज्ञान

महा विद्यालय

वर्धा

विषय:- कक्षा में पंखे की व्यवस्था करने  
कोषण

महोदय जी,

सदस्य निवेदन है कि छात्र

महाविद्यालय के में पंखे की व्यवस्था करने

की कृपा करें ताकि विद्यार्थी सुदृढ़

हवा में अध्ययन का कार्य कर सकें

अतः महोदय जी से निवेदन

है कि यथाशीघ्र सुधाराने की कृपा करें

धन्यवाद

दिनांक  
05/05/2019

आपका आज्ञाकारी शिष्य

रमेश कुमारे

PRINCIPAL

A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.

COLLEGE KAWARDHA

DISTT-KABIRDHAM



प्रति

प्राध्यापिका प्राचार्य महोदय जी  
शासकिय पी.जी. महाविद्यालय  
कवठी (ल.ग.)

विषय ३ वाणिज्य संकाय सहायक प्रोफेसर हेतु ।

महोदय जी

सनम निवेदन है कि वाणिज्य संकाय ट्रेनिंग में शिक्षकों की कमी होने से वाणिज्य संकाय की सभी विद्यार्थियों की पढ़ाई में बाधित हो रही है और वर्तमान में डा. एस. एस. महापात्रा की स्थानांतरण होने के कारण एवं विद्यार्थियों की परीक्षा नजदीक होने के कारण शिक्षकों की जल्द से जल्द वाणिज्य संकाय में शिक्षकों की व्यवस्था करें ।

अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया जल्द से जल्द शिक्षकों की व्यवस्था करें ।

18/11/19

धन्यवाद

विद्यार्थिगण

class monitor  
Anshu, Dax

- (I) परमानंद वर्मा
- (II) (शुभ) (राम चन्द्रवंशी)
- (III) Rishi
- (IV) Dax
- (V) Anshu
- (VI) Dax

- (VII) देवाने सिन्हा
- (VIII) Leela Nirmalkar
- (IX) Manisha Patil
- (X) Anshu
- (XI) अमरकान्त

प्रति,

प्राचार्य,  
शास. स्ना. महा. कवर्धा  
जिला - कबीरधाम।

विषय => गणित की कक्षा प्रारंभ करने बाबत।

महोदय जी,

निवेदन है कि हमारे महाविद्यालय में एम.एस.सी. गणित प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएँ नहीं हो पा रही हैं, जिससे विद्यार्थी परेशान हैं, अतः आपसे निवेदन है कि एम.एस.सी. गणित प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएँ प्रारंभ अथवाशीघ्र करने की कृपा करें।

धन्यवाद

दिनांक -

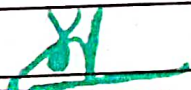
प्राथी

शक्ति छात्र-छात्राएँ  
एम.एस.सी. गणित  
प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर  
शास. स्नात. महा. कवर्धा

PRINCIPAL  
A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G.  
COLLEGE KAWARDHA  
DISTT-KABIRDHAM



सिफारश का विषय	सिफारश निवारण दिन	निवारण कर्ता	निर्णय
स्नाक -सफाई	द्वितीय दिन बाद 08/08/2019		बलात्कार में <del>सर्व</del> मेनटेनेंस कार्य के कारण दो बम दिना बाद सफाई कराया गया।
पानी की समस्या	उसी दिन 10/09/2019		बिजली टाट दूरा जाने के कारण पानी टंकी में पानी नहीं आने से पानी की ठीकी लगेगी
कमरिच्य साइकिल एवं मोटर साइकिल	उसी दिन 10/11/2019		कर-धारी व्यवस्था कराया गया
लक्ष एवं चैबे	द्वितीय दिन 05/05/2019		छुटी से आर्टिकलिंग के कारण गारि जलगाया था जिसे ठीक कर जनसागरिदारी फंड
शिफारश की व्यवस्था कराने	22/10/19 (पांच दिनों में)		से व्यवस्था कर दिया गया।

  
**PRINCIPAL**  
**A.P.S.G.M.N.S.GOV.T.P.G**  
**COLLEGE KAWARDHA**  
**DISTT-KABIRDHAM**

बैठक

आज दिनांक 30/09/2019 को शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की श्री रमेश मेलबिया (जारा एंडी कांप्यूटर) द्वारा परीक्षा विभाग हॉल पर लगाये गये आरोप के संबंध में महाविद्यालय के शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की आवश्यक बैठक की गई, जिसमें निम्न लिखित सदस्य उपस्थित रहे।

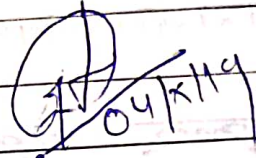
- 1) नरेन्द्र कुमार कुलसिंह - ~~...~~
- 2) मुनेश कुमार कामरे - ~~...~~
- 3) डॉ. अनिल कामा - ~~...~~
- 4) शोभा मजरेगी कले - ~~...~~
- 5) Bhole das dharwanja - ~~...~~
- 6) Hanuman das Banjara - ~~...~~
- 7) O.N. Kherse MT ~~...~~
- 8) श्री. S.S. Parihar L/T. - ~~...~~
- 9) श्री. Meenu Thakur L/A - ~~...~~
- 10) Mahilal Sharma - L/A. ~~...~~
- 11) Govardhan Chandra L/A ~~...~~
- 12) T. A. Salame. LT ~~...~~
- 13) Ravindra kumbhkar LT. ~~...~~
- 14) Ranzhel Rajawat CA Ranzhel
- 15) उमेश कुमार सोनी प्रशासक. Umesh Sami
- 16) ~~...~~ B. ~~...~~ ~~...~~
- 17) S. L. Kasture Lab Tech. (BUS, 30/9/19)
- 18) Pooval Kumar VenuA. (30/9/2019)
- 19) श्री. Richa Mishra A.P. 30/09/19

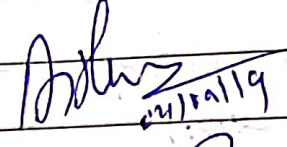
~~...~~  
30/9/19

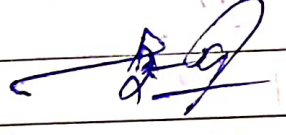
~~...~~  
30.9.19

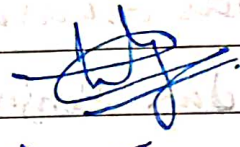


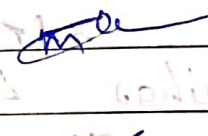
आज दिनांक 05/11/19 को शिवालय निवारण प्रकोष्ठ की छात्रा ललितेश्वरी यादव (बी.कॉम-2) द्वारा दी गई आवेदन (प्राचार्य महोदय द्वारा अभद्र व्यवहार) के संबंध में आकस्मिक बैठक की गई, बैठक में शिवालय निवारण प्रकोष्ठ के निम्न लिखित सदस्य उपस्थित थे

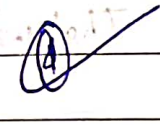
1) डा. दीपिका शिवरिध - 

2) डा. अमिता शर्मा - 

3) नरेश कुमार कुलशिखर - 

4) चंदन गोस्वामी - 

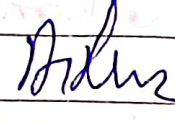
5) मुकेश कामल - 

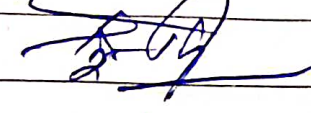
6) रमेशा महोदय - 

बैठक में -

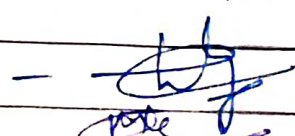
1) छात्रा के निरूपण प्राचार्य (डा. सुशंकर प्रसाद) द्वारा दिए गए अभद्र व्यवहार को निंदा की गई

2) समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्राचार्य को छात्रा से उमर हटाने के लिए मांगी जायगी

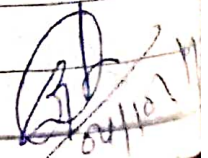
1) Dr. Anil Sharma - 

2) नरेश कुमार कुलशिखर - 

3) Ramsha Mahodiy

4) चंदन गोस्वामी - 

5) मुकेश कामल



प्रति,

राष्ट्रीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय  
समस्त अध्यापक मण एवं कॉलेज सभासद  
जिला कबीरधाम कर्नालसिगढ़ ।

विषय :- प्राचार्य महोदय द्वारा अभद्र व्यवहार के माफी  
के लिये शीकायत पत्र ।

महोदय जी,

आप सभी शिक्षक मण से अनुरोध करती  
हूँ कि मैं जितेश्वरी थादव बी. काम प्रथम वर्ष की छात्रा  
हूँ मैं परीक्षा दौरान पेपर दे रही थी। जिस समय  
प्राचार्य महोदय डॉ. एस. एस. महापात्रे द्वारा प्रताड़ित  
(माशना) एवं अभद्र व्यवहार किये गये जिससे मैं  
अत्यंत दुखी हूँ

अतः सभी शिक्षक मण से एवं कॉलेज सभासद  
से अनुरोध है कि मुझे न्याय दिलाने की कृपा करें ।

धन्यवाद

दिनांक  
04/10/2019

प्राची  
नाम - जितेश्वरी थादव  
कुछा - बी. काम. I ईयर  
ग्राम - कापा जिला कबीरधाम/कर्नाल  
मौ. नं. - 9669749777



प्रति

प्राचार्य महोदय जी,  
शा. महाविद्यालय कवस्था

विषय :- शिक्षण कमेटी कावत

महोदय जी,

वातिनय निवेदन है कि हम सभी महाविद्यालय में अध्ययनार्थ छात्र छात्राएं प्रायोगिक कक्षा एवं अध्ययन कक्षा में अध्ययन एवं प्रयोग करते समय बाहरी धरियों के द्वारा आग (अपशब्द) व्यवहार एवं श लिड फेड, मावपीर कने से सँग आ गये है। आज प्रायोगिक कक्षा में एक छात्र को रेत फेंक कर माव दिव्य। जिनके अभिप्रेत छात्र के अक्ष में चले गये है और मैं यह कि शिक्षण का रव है शतना है नही बल्कि हमारे प्रायोगिक समान चोरी करके ले गते है तथा शिक्षकों से दुर्व्यवहार करते है।

अतः आपसे निवेदन है कि आप हमारे इस समस्या का समाधान करेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

दिनांक  
17/12/19

समस्त छात्र/छात्राण  
B.S.C (उत्पुष्प)

श्री. क. ड. व. श.  
22/12/19

श्री. क. ड. व. श.  
B.S.C (उत्पुष्प)  
17-12-19

Signature

Chandan

Chandan

Sunil

Sunil Raut

Satvik

Satvik

Rashmi Sahu

Rashmi

Chhatrakansha patle

Chhatrakansha

Nisha Bangli

Nisha Bangli

Santoshi Chandravanshi

Santoshi

Divyanti Chandse

Divyanti

Neeta Menavi

Neeta

Armand Kumar

Armand

Anesh

Anesh

Bhupendra

Bhupendra

Santosh Patre

Santosh Patre

Aghan Singh

Aghan Singh

Ashish Kumar Sonawani

Ashish Kumar

Heerabai Pali

Heerabai Pali

Hirachandra Nath

Hirachandra

Devendra Verma

Devendra

Ajay Verma

Ajay

Ajay Sahu

Ajay

← 1024 4

← 1024 4

Pradeep P Saha

Pradeep

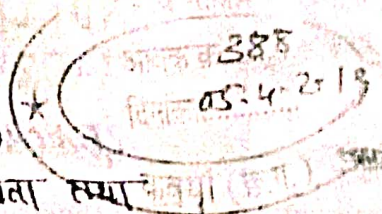
Chhatrapati

Chhatrapati

Anprakash Sahu

Anprakash





प्रति,  
श्रीमान प्राचार्य महोदय जी,  
शासकीय स्नातकोत्तर महा. कबर्धा (इलीसगढ)

विषय :- कम्प्युटर लैब में अव्यवस्था, अनुपलब्धता तथा निम्नलिखित समस्याओं के संदर्भ में।

महोदय जी, विषयांतर्गत लेख है, कि महाविद्यालय के कम्प्युटर लैब में विद्यार्थियों के अनुपात में कम्प्युटर उपलब्ध नहीं हैं, तथा हमें लगातार शैक्षणिक सत्र 2018-19 में निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है -

- 1) विद्यार्थियों के अनुपात में कम्प्युटर की कमी है, और डौसतन पूरे सत्र में अधिकतम 20 कम्प्युटर ही एक समय पर कार्य करते हैं।
- 2) विद्यार्थियों को प्रयोगिक कार्य हेतु अनर्दिष्ट कम्प्युटर कमी भी बंध पड़ जाता है।
- 3) अचित्त खरखाव के अभाव में मायूस, कीबोर्ड कार्य नहीं करता है तथा वायरिंग तथा केबल स्विच खराब पड़ी है।
- 4) N-computing पर आधारित अधिकतर computer नहीं के बराबर चलते हैं।
- 5) Internet की सुविधा उपलब्ध नहीं है।
- 6) लाइट, पंखा की पर्याप्त सुविधा नहीं है।
- 7) एनेक्सीड उपकरण सॉफ्टवेयर होने के कारण ये स्वच्छी भी समस्या रहती है।
- 8) हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर दोनों की इंटीग्रेशन से लैब में नये कम्प्युटर उपकरणे घरी हैं।
- 9) लैब की बीमारों के बजाज ज्यादा बिलन हैं, जिससे लैब में उर्ध्व तथा स्वास्थ्य की इंटीग्रेशन से विपरित ताताकरण रहता है।
- 10) लैब में साफ सफाई नहीं होती है।

प्रतिक्रिया

- 01 विभागाध्यक्ष (CS & IT) शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
- 02 अध्यक्ष जनभागीदारी समिति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

प्राची  
समस्त पी.जे.डी.सी.ए.  
विद्यार्थीगण

*(Handwritten signatures)*



पमिता चन्द्रवंशी  
निराशा धुर्वे  
७७०५ यदेल

Phu  
निराशा  
Swishyabedaf

पितरेशा ठांगारे  
अंजला ठांगारे

any  
Gurpur

प्रदीप शाहू

प्रदीप

विठ्ठल पाखिल  
भारती यदु

Prati  
Bhaohi

पारसकुमार चव्हाकर

Paras

रोशन लाल कौशिक

Roshan

Roshan Nirmal kar

Roshan

निधि परगनिष्ठा -

Nidhi

रुचि श्रीवास्तव -

Ruchi

नीति श्रीवास्तव -

Nehi





कार्यालय-प्राचार्य

आचार्य पथ श्री गुरु मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा  
(अग्रणी महाविद्यालय) जिला-कबीरधाम, छत्तीसगढ़  
Email: govtpgccollege.kawardha@gmail.com

क्रमांक 17 / 2019

कवर्धा, दिनांक 05/04/19

प्रति,

श्रीमती सारिका देवागन  
अध्यक्ष,  
विद्या कम्प्यूटर एज्युकेशन सोसायटी, रायपुर  
बाघ-कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

- विषय - कम्प्यूटर सिस्टम में आवश्यक सुधार एवं अपडेट कराने के संबंध में।  
संदर्भ - अध्ययनरत विद्यार्थियों से प्राप्त शिकायत पत्र दिनांक 04-04-2019

—00—

विषयान्तर्गत लेख है कि विद्यार्थियों से प्राप्त शिकायत पत्र एवं समिति के सदस्यों द्वारा कम्प्यूटर लैब के निरीक्षण में यह देखा गया कि केवल 20-25 कम्प्यूटर ही चालू स्थिति में थे। कुछ कम्प्यूटर तो आउट ऑफ डेटेड है जो कि पाठ्यक्रम के अध्यापन के अनुरूप नहीं है।

अतः बंद कम्प्यूटर को तत्काल चालू कराये एवं पाठ्यक्रम के अनुरूप अपडेट करावे।  
अपडेट कराने उपरान्त स्ववित्तीय समिति के सदस्यों से निरीक्षण करावे। इसके पश्चात् ही बकाया माह के कम्प्यूटर सेट का किराया प्रदाय किया जावेगा।

(डॉ. ए.एस. महापात्र)  
प्र. प्राचार्य

आचार्य पथ श्री गुरु मुनि नाम साहेब  
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा  
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

क्रमांक 18 / 2019

कवर्धा, दिनांक 05/04/19

प्रतिलिपि-

- (1) डॉ. अनिल कुमार शर्मा, संयोजक स्ववित्तीय समिति शास. स्नात. महा. कवर्धा को निर्देशित किया जाता है कि कम्प्यूटर में सुधार हो जाने का प्रतिवेदन प्राचार्य को प्रस्तुत करें।
- (2) श्री सी.बी. चन्द्रवंशी स्ववित्तीय लेखा प्रभारी/लेखा शाखा शास. स्नात. महा. कवर्धा को निर्देशित किया जाता है विद्या कम्प्यूटर सोसायटी को प्राचार्य तथा संयोजक की बिना अनुमति अथवा कम्प्यूटर में सुधार होते तक बकाया माह के कम्प्यूटर सेट का किराया भुगतान न किया जावे।
- (3) प्राचार्य फाईल।

(डॉ. ए.एस. महापात्र)

प्र. प्राचार्य

आचार्य पथ श्री गुरु मुनि नाम साहेब  
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा  
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)



**VIDYA COMPUTER EDUCATION SOCIETY,**

Reg No. 1657, H.O. - Raipur, Branch- Kayardha, District- Kanker (C.G.)

Contact No. 9893371000 E-mail: pavna.kayardha@gmail.com

दिनांक 01/05/2019

कक्षा, दि-ना 06.05.2019

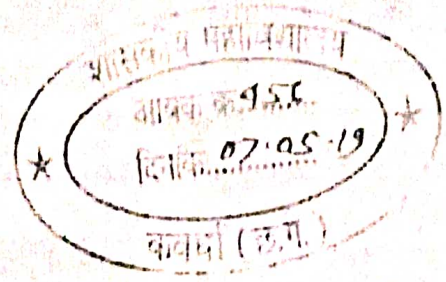
प्रति

आपको

आपका पत्र श्री युष्मन्ति नाम साहब,

शारदापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

कक्षा 2 विद्या कानोराप (उ.प.)



विषय सांगिते देखको के मुस्ताम हेतु।

संदर्भ आपका पत्र का

दिनांक

उपरोक्त विषयगत सांगिते पत्र के संवा में निवेदन है कि कम्प्यूटर एक इलेक्ट्रानिक उपकरण है उसमें कभी भी खराबी आ सकती है। अतः निरीक्षण के समय कुछ कम्प्यूटर खराब रहना अरवानाविक नहीं है। कम्प्यूटर का निरीक्षण मरम्मत एवं रखरखाव की प्रक्रिया वर्ष भर जारी रहती है, तथापि आपका पत्र प्राप्त होने के परवाह कम्प्यूटरों का विशेष जांच किया गया है एवं कुछ कम्प्यूटर बदल कर सभी कम्प्यूटर कार्याशील कर दिये गये हैं।

स्वाधरी किडिल हो कि निराल व्यवस्था अभी-ही है।

निरीक्षण कार्य पर कठोर ध्यान रहे।

उपरोक्त हेतु है।

C.B. Chavhan  
25/5/19

Zawila

आचार्य

विद्या कम्प्यूटर शिक्षा विकास सोसायटी,  
कक्षा, रासपुर (उ.प.)  
कानोराप (उ.प.)

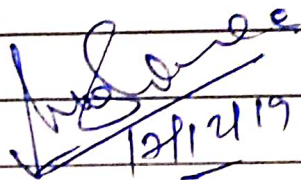


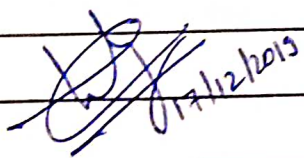
आप जिनके नामों का हो एडव. इ. मुख्य एवं मान्य  
विकायत के संबंध में आवरण के एक परी गई  
के एक में विकायत निवारण प्रयोग काय निम्न लिखित निर्णय  
लिपि गये -

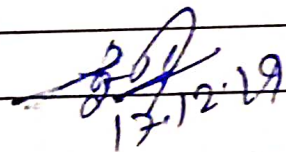
① महाविद्यालय परिसर के अंदर अति कार्यलयीन समय  
पर शिक्षावृत्ति या अन्य अनवश्यक कामों पर विद्यार्थी  
वर्षों की नियंत्रण होने पर उनकी नियंत्रण अवकाश  
आवृत्ति निर्धारण के लिए प्रमुख  
श्री डॉ. लाल राम कुशुप ( 9893182264 ) को  
भावश्यक कार्यवाही हेतु ही जाएगी।

② महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी संविघ-  
वर्षों की नियंत्रण हेतु दिन में एक बार महाविद्यालय  
परिसर आउटिंग प्रयोग करेंगे।

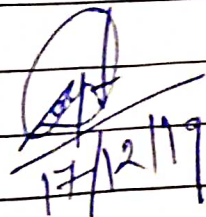
③ महाविद्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारी का वैद्य निगरान  
हेतु डॉ. डॉ. डॉ. के आदेशन मूलतः लिखित-कोषवर्षी  
आना के लिए वकीलवर्षी के प्रेषित विधा गसा।

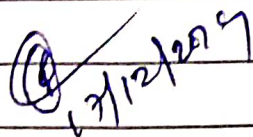
  
17/12/19

  
17/12/2019

  
17/12/19

  
17/12/19

  
17/12/19

  
17/12/19

महोदय,

प्राचार्य

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा  
जिला- कुबीरघाट (द्वारा)

विषय: - समग्र तृतीय सेमेस्टर भूगोल की ऑनलाइन  
कक्षा प्रारंभ करने विषयक।

महोदय जी,

निवेदन है कि हम सभी समग्र भूगोल तृतीय  
सेमेस्टर के दार्ज-दार्ज हैं। भूगोल के की कक्षा के वरुण  
महाविद्यालय अध्यापन प्रभावित है उक्त समस्या के चलते  
हमारा अध्ययन-अध्यापन नहीं हो पा रहा है तथा विश्वविद्यालय  
के अनुसार आर्थिक सहायता भी प्रारंभ किया। उक्त कक्षाओं के  
समाप्त में हजारों छात्रों परीक्षा प्रभावित होगा।

आतः महोदय जी से निवेदन है कि भूगोल विषय

ऑनलाइन- कक्षाएं जल्द से जल्द प्रारंभ करने का कृपया  
कृपया।

धन्यवाद।

दिनांक: -

प्राधी

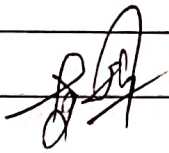
स्नातक दार्ज-दार्ज  
समग्र 10 सेमेस्टर  
(भूगोल)



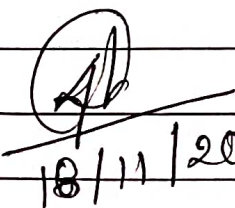
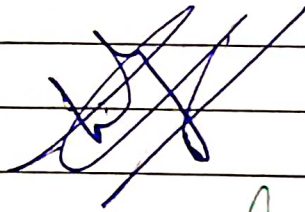
बैंक

आप दिनांक 18/11/2020 को सम.प. तृतीय सेमेस्टर (भूगोल) के विद्यार्थियों से प्राप्त आवेदन के संबंध में आवश्यक बैंक रखी गई बैंक में शिकायत निवारण प्रकोष्ठ द्वारा निम्न लिखित निर्णय लिए गए -

① महाविद्यालय के जनजागिहारी समिति को जनजागिहारी मंद से भूगोल विषय पर एक शिक्षक रखने हेतु निवेदन करने हेतु आम सहमति बनाया गई जिससे छात्र-छात्रिका के शैक्षणिक समस्याओं को समाधान हो सके।



White  
18/11/2020



18/11/2020

seem  
18/11/2020

